संताल एक्सप्रेस ई-पेपर व दैनिक ताजा खबर www.santalexpress.com पर पढ़ें

01 जुलाई 2026, बुधवार

पृष्ठ-08, मूल्य : 2 रुपये

दुमका, वर्ष- 08, अंक - 277

Email-santalexpress20@gmail.com

संताल परगना की आवाज

संताल एक्सप्रेस

झारखंड में एक से चार जुलाई तक तेज बारिश और आंधी की चेतावनी

रांची । झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इसे देखते हुए रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में 01 जुलाई से 04 जुलाई तक तेज बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है।

सिरा़मंत्री दो़ हूल रेन बीरबाण्टाकोय चालात्कोआ उईहा़र आंजले

दाक्-हासा आर बिर-बुरु बांचाव ला़गित् चालाक् ते गे ताहेंना लाड़हा़ई, आ़क्युरिया़कोवाक् पुरा़क्आ कुकमु : सिरा़मंत्री

खोबोरिया

रांची। झारखंड रेन सिरा़मंत्री हेमंत सोरेन दो़ बालेमाहां हिलोक् हूल माहां ओ़पसो़र रे हूल रे जिया़ताकान बीरबाण्टाकोय उईहा़रआंजले केत्कोआ। उनी दो़ जियांताकान सिदो-का़न्हू, चांद-भैरव,हूलगा़रिया़नी फूलो-झानो, चुन्नी मांझी आर सुमी हांसदा ताको सारहावको तुलुच् 'हूल जोहार'ए चालात्कोआ। सिरा़मंत्री दो़ सोशल मीडिया मंच 'एक्स' रे जा़रीयाकान संदेश रेयमेन केदा जे 30 जून 1855 हिलोक् भोगनाडीह खो़न एहो़प् आकान हूलसेंगेल दो़ सासेत आर को़चलो़न तेगो दाराम रेयाक् नागामिया़चिनहा़ काना। आबो रेन आ़क्युरको दो़ दाक्-हासा, बिर-बुरु,पा़रसी, आ़रीचा़ली आर ओनोरोम बांचाव दो़हो़य ला़गित् ते आपनाराक् जोतो़वाक्को आलाय केदा, एनते रे हों बाको दोबड़ो़च्ओचो लेना।

उनी दो़य मेन केदा जे झारखंड रेयाक् ओनोरोम दो़ आपनार आ़क्युरिया़कोवाक् ला़ड़हा़ई आर तेंगेनकान गेया आर ओनकोवाक् तेंगेन गे दारायकान बिदा़लको दो़ मित् गे तालावे उसकुरकोआ। पो़नो़त बेनाव काते 25 बो़छो़र पुरा़वेन तायो़मझारखंड रे नावां दिल-दाड़े आर नावां एकराड़ सालाक् ते लाहा इदिक् काना। पो़नो़त सरकार दो़ बीरबाण्टाकोवाक् कुकमु पुरा़उ आर दाक्-हासा, बिर-बुरु बांचाव दो़हो़य ला़गित् ते मित् गे तालावे का़मी इदिया। सिरा़मंत्री दो़ आपनार संदेश मुचा़त् रे 'हूल जोहार', 'जोहार झारखंड ' आर 'जय झारखंड' ए सारसादले केदा।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार दो़ 'हूल माहां' रे सिदो-का़न्हूय उईहा़र आंजले केत्किना

रांची। झारखंड रेन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार दो़ बालेमाहां हिलोक् 'हूल माहां' ओ़पसो़र रे रांची रे मेनाक् लोकभवन रे हूल रेन आ़क्युरकिन सिदो-का़न्हू ता़किनाक् चिता़र रे बाहामाला आराव काते उनकिने उईहा़र आंजले केत्किना। नोआ ओ़पसो़र रे उनी दो़ हूल रेन जो़तो़ दिलगा़रिया़कोवाक् दिल-दाड़े, आलाय आरतेंगेन जोहाराक् तुलुच्ए मेन केदा जे ओनकोवाक् कुरूमुटू दो़ दिसा़म सा़धिन आर सोमाज रे सुही रा़ई रेयाक् ला़ड़हा़ई रेयाक् मित् बिन आदो़क्आक् अध्याय काना। राज्यपाल दो़य मेन केदा जे हूल दो़ दिसा़म सा़धिन रेयाक् नागामरेयाक् मित् गो़रो़बान अध्याय काना। सिदो-का़न्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो सांवते हूल लाड़हा़ई रेन जो़तो़ बीरबाण्टा गे को़चलो़न, सासेत आर सान्ताव दाड़े चाबाय ला़गित् ते आ़डी माराङ साहो़ंसकोउदुक् आकादा। ओनको दो़ आपनार हो़क-आ़ईदा़री आर दाक्-हासा आर बिर-बुरु बांचाव ला़गित् ते ओकाको हूल आकादा, ओना दो़ तेहेञहों दिसा़म रेन हो़ड़े उसकुरेत्कोआ।

साहिबगंज पेयजल योजना का अपर मुख्य सचिव निरीक्षण कर सौंपे रिपोर्ट : हाईकोर्ट

संवाददाता

रांची । साहिबगंज की लगभग 70 करोड़ रुपये की पाइपलाइन आधारित पेयजल योजना से संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही या अक्षमता स्वीकार नहीं की जा सकती।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अपर मुख्य सचिव को स्वयं साहिबगंज जाकर योजना का स्थलीय निरीक्षण करने और 24 जुलाई तक विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि इस जिम्मेदारी को किसी अन्य अधिकारी को नहीं सौंपा जा सकता और निरीक्षण स्वयं अपर मुख्य सचिव को ही करना होगा।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि 10 मार्च 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना का कार्य पूरा कर लिया गया है। सरकार ने यह भी दावा किया कि पाइपलाइन में रिसाव की समस्या को अदालत द्वारा दिए गए अतिरिक्त 45 दिनों की अवधि के भीतर दूर कर लिया गया है और योजना अब संचालित होने की स्थिति में है।

हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से सरकार के इन दावों का विरोध किया गया। अदालत के समक्ष साहिबगंज नगर परिषद के 28 में से 21 वार्ड पार्षदों के बयान प्रस्तुत किए गए, जिनमें कहा गया कि पाइपलाइन जलापूर्ति योजना अभी तक पूर्ण रूप से लागू नहीं हुई है। उनके अनुसार कई स्थानों पर अब भी पाइपलाइन से पानी का रिसाव हो रहा है और बड़ी संख्या में लोगों को अब तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

दोनों पक्षों के परस्पर विरोधी दावों को देखते हुए खंडपीठ ने मामले की वस्तुस्थिति का प्रत्यक्ष सत्यापन कराने का निर्णय लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि अपर मुख्य सचिव, विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ, साहिबगंज नगर परिषद की अध्यक्ष तथा आवश्यकता पड़ने पर अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से योजना का निरीक्षण करें। साथ ही निरीक्षण के दौरान याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि को भी उपस्थित रहने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार इस योजना पर लगभग 70 करोड़ रुपये अथवा उससे अधिक की सार्वजनिक धनराशि खर्च कर चुकी है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है कि योजना का वास्तविक लाभ आम लोगों तक पहुंचे। अदालत ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य साहिबगंज के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है और यदि योजना धरातल पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे रही है तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई 2026 निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि उससे पहले निरीक्षण रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की जाए, ताकि योजना की वास्तविक स्थिति के आधार पर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

दुमका : नशे के विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या

दुमका। जिले के जरमुंडी थाना अंतर्गत बसगौरी गांव में सोमवार की शाम एक दुखद घटना सामने आई, जहां नशे के विवाद में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी सोमलाल मुर्मू सोमवार शाम नशे की हालत में घर पहुंचा था, जिससे उसकी पत्नी बसंती टुडू नाराज हो गई। विवाद बढ़ने पर पत्नी ने आवेश में आकर पति पर ईंट चला दी, जिससे वह बेहोश हो गया। होश में आने के बाद आरोपी ने उसी ईंट से पत्नी पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण बसंती टुडू की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या मामले में तीन पुलिसकर्मी निलंबित

पूर्वी सिंहभूम । बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन (डीडी) बार के बाहर हुई चाकूबाजी की घटना में करनी सेना के सरायकेला युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हिमांशु सिंह की मौत के बाद पुलिस विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। घटना के दौरान ड्यूटी में कथित लापरवाही बरतने के आरोप में गश्ती दल के तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) रतन कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) राजेश कुमार रंजन तथा आरक्षी संख्या-913 मनोज कुमार शामिल हैं।

देवघर में मां-बेटे की गला काटकर हत्या

चार साल पहले पति की भी हुई थी हत्या

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर। जिले के सोनारायठाढ़ी थाना क्षेत्र के महापुर पंचायत अंतर्गत हेठ नवाडीह गांव में मां-बेटे की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। सोमवार देर रात बदमाशों ने घर में घुसकर 38 वर्षीय रुबेदा बीबी और उसके 12 वर्षीय पुत्र छोटू की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही सोनारायठाढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि दोनों की हत्या

कुल्हाड़ी से गला काटकर की गई है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पुलिस अधीक्षक को घटनास्थल पर बुलाने की मांग की। इसके बाद मंगलवार सुबह पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। टीम ने साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना ने चार साल पुराने हत्याकांड की भी याद ताजा कर दी है। परिजनों ने बताया कि रुबेदा बीबी के पति रियाज अहमद की 15 जुलाई 2022 को भी कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई थी। उनका आरोप है कि उस मामले के कुछ नामजद आरोपितों को आज तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी। परिजनों का कहना है कि उसी परिवार को एक बार फिर निशाना बनाकर इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों और अपराधियों की पहचान के लिए हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। गांव में तनाव को देखते हुए एहतियात के तौर पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

दुमका : युवती से सामूहिक दुष्कर्म

संवाददाता

दुमका । बंगाल के तीन युवकों ने सोमवार की शाम पश्चिम बंगाल के राजनगर से दोना बेचकर अपने घर टोंगरा लौट रही 20 साल की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात को झारखंड और बंगाल सीमा पर टोंगना थाना क्षेत्र में अंजाम दिया गया है। पुलिस ने पीड़िता की मां के बयान पर पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला के राजनगर थाना के कुड़लमटिया गांव के दीपक राणा और सरवेन सोरेन और एक अन्य अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि बेटी दोना बेचकर परिवार चलाती है। बेटी सोमवार को सखुआ पत्ता से बना दोना बेचने के लिए पश्चिम बंगाल के राजनगर थाना क्षेत्र में गई थी। शाम को वह दोना बेचकर वापस घर लौट रही थी। बंगाल और झारखंड की सीमा के पास पहले से घात लगाए बंगाल के तीन युवकों ने बेटी को घेर लिया और सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। देर शाम को बेटी रोते हुए घर आई और आपबीती बताई। मां तुरंत बेटी को लेकर टोंगरा थाना गई और युवकों के खिलाफ दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कराई। थाना प्रभारी गुरूचरण मांझी ने बताया कि तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया है। पीड़िता दो युवकों को पहचानती थी, इसलिए दोनों के खिलाफ नामजद और एक अन्य पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं घटना को लेकर पुलिस उपाधीक्षक संदीप भगत ने कहा कि युवती का मेडिकल कराया गया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

जमीन विवाद में गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार की हत्या

संवाददाता

रामगढ़ । गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में हत्या कर दी गई है। मांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके पैतृक गांव रबोध में ही यह वारदात हुई। मंगलवार की सुबह जमीन विवाद को लेकर उनका झगड़ा गांव के ही कुछ लोगों के साथ हुआ। इस दौरान मारपीट करने आए लगभग एक दर्जन महिला और पुरुष सभी ने मिलकर उन पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान उनके सिर पर ईंट से वार किया गया। इस घटना में सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके परिजनों और गांव वालों ने आनन-फानन में बालेश्वर पटेल को होप हॉस्पिटल में भर्ती कराया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल ने अपने गांव में ही मई महीने में 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी। यह जमीन उन्होंने महेश प्रसाद से रजिस्ट्री कराई थी। उस जमीन पर वह अपना घर बनाने के लिए बोरिंग करवा रहे थे।

साहिबगंज : ई रिक्शा और हाईवा में भिड़ंत, पति-पत्नी की मौत

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

राजमहल- राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर में ई रिक्शा व हाईवा के बीच हुई भीषण टक्कर में ई रिक्शा चालक सहित चार गंभीर रूप से घायल हो गया. जबकि दो लोगो की मौके पर ही मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार राजमहल-उधवा मुख्य सड़क के जामनगर में मंगलवार देर रात को ई रिक्शा व हाईवा के बीच भीषण टक्कर हो गई. हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया. बताया जा रहा है कि ई रिक्शा में सवार लोग राजमहल डॉक्टर दिखाने के लिए आ रहे थे. इसी दौरान जामनगर के समीप सामने से आ रहा एक हाइवा व ई रिक्शा की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि ई रिक्शा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया.और उसमें सवार लोग सड़क पर जा गिरे. वही स्थानीय लोगों ने तुरंत सभी घायलों को राजमहल अनुमंडलीय लेकर पहुंचे. जिसमें राधानगर थाना क्षेत्र के बनु टोला चुआर निवासी एईसुद्दीन शेख 52 वर्ष, नूरवाहार बीवी 46 वर्ष, राजमहल थाना क्षेत्र के गुमास्ता टोला निवासी 26 वर्षीय यास्मीन खातून, अमानत निवासी 45 वर्षीय रहीम शेख, जामनगर निवासी 54 वर्षीय तफनारा बीवी तथा ई रिक्शा चालक पियरपुर निवासी अबूकलाम घायल हो गए.वही इलाज के दौरान पति-पत्नी एईसुद्दीन शेख व नूरवाहार बीवी को मृत घोषित कर दिया.

अश्विनी चौबे ने आदिवासी समाज के साथ मनाया हूल दिवस, अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांची । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने मंगलवार को रांची जिले के बेड़ो प्रखंड अंतर्गत डुमरी मसिया गांव में आदिवासी समाज के साथ हूल दिवस मनाया। इस अवसर पर उन्होंने हूल क्रांति के महानायक वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, वीरांगनाओं फूलो-झानो तथा हूल आंदोलन के सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और विदेशी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज के अदम्य साहस, स्वाभिमान और संघर्ष का अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के वीर सेनानियों ने जल, जंगल, जमीन और अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, वह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

इस दौरान अश्विनी कुमार चौबे ने झारखंड सरकार पर जनजातीय क्षेत्रों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक के रूप में नहीं, बल्कि झारखंड की पहचान, संस्कृति और गौरव के रूप में देखा जाना चाहिए। कार्यक्रम में मांडर विधानसभा की पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, भाजपा अध्यक्ष बलराम सिंह, महामंत्री मनोज कुमार शाह, उपाध्यक्ष अरुण कुमार, के.के. मिश्रा, अशोक, बिरसा उरांव, टी.एन. मिश्रा, नरेंद्र पाठक सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन, झामुमो और भाजपा नेताओं ने भोगनाडीह में सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

सिदो-कान्हू, चांद-भैरो, फूलो-झानो संताल हूल के अमर नायक है, उनका बलिदान सदैव प्रेरित करता रहेगा : झामुमो

संवाददाता

बरहेट/साहिबगंज । हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को शहीद स्थल पचकठिया तथा शहीदों की जन्मस्थली भोगनाडीह स्थित सिदो-कान्हू पार्क में वीर शहीद सिदो, कान्हू, चांद, भैरो, फूलो एवं झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस दौरान झामुमो,भाजपा एवं जिला प्रशासन की ओर से अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए.झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा, राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा, राजमहल विधायक ताजुद्दीन अंसारी, बोरियो विधायक धनंजय सोरेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. नेताओं ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरो, फूलो-झानो संथाल हूल के अमर नायक हैं और उनका बलिदान सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा. उनके संघर्ष और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता. मौके पर केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा , राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा ,राजमहल के विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन ऐम टी राजा, बोरियो विधायक धनंजय सोरेन, झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,सचिव सुरेश टुडू,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय गोस्वामी,सचिव मारुफ गुड्डू,जपि अध्यक्ष मोनिका किस्कू,केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा,सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, सचिव मुजिबुर रहमान,उपप्रमुख रुपक साह, छवि हेंब्रम,देव सोरेन,जिप सदस्य जेठा मुर्मू, मोहम्मद अली अंसारी, जिला सोशल मिडिया सदस्य मोहम्मद एजाज,प्रखंड मिडिया सदस्य अरशद अंसारी,अब्दुल मजीद,सुनीराम हांसदा, मैनुल हक,लुखीराम हेंब्रम,चारलेश सोरेन,समदा सोरेन,पुसा टुडू,लड्डू भगत,समसुल अंसारी,मिराज हक, मुश्ताक अंसारी, बाबुधन टुडू महिला नेत्री श्रीमती बेला किस्कू सहित सभी 22पंचायत के अध्यक्ष सचिव व कार्यकर्ता मौजूद थे.

शहीदों के वंशजों को किया सम्मानित

हूल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन ने प्रखंड प्रशासन के माध्यम से शहीदों के वंशजों को सम्मानित किया. प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी अंशु कुमार पांडे ने वंशजों के आवास पहुंचकर 17 परिवारों को अंगवस्त्र एवं अन्य सम्मान सामग्री भेंट कर सम्मानित किया.

संताल हूल केवल विद्रोह नहीं, बल्कि अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ी गई ऐतिहासिक क्रांति थी : लोबिन हेम्ब्रम

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज/ बरहेट- भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव के नेतृत्व में ऐतिहासिक हूल दिवस बरहेट के भोगनाडीह में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया. कार्यक्रम में संथाल हूल के महानायकों सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो एवं झानो की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी झारखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय एवं प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी उपस्थित थे. उन्होंने हूल आंदोलन के इतिहास, उसके महत्व एवं आदिवासी समाज के गौरवशाली योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं बल्कि अन्याय, शोषण और अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध स्वतंत्रता का पहला जनआंदोलन था.अपने संबोधन में बोरियो विधानसभा के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ी गई ऐतिहासिक क्रांति थी. सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो ने अपने अदम्य साहस एवं बलिदान से अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी. आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों और संघर्ष की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं.

अपने संबोधन में भाजपा झारखंड प्रदेश प्रवक्ता दिनेश विलियम मरांडी ने कहा कि संथाल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है. सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो का संघर्ष केवल आदिवासी समाज के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है.इस अवसर पर सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू एवं रविन्द्र टुडू विशेष रूप से उपस्थित रहे. कार्यक्रम में जिला महामंत्री सलखु सोरेन, ग्मालियाल हेम्ब्रम, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी, कमल कृष्ण भगत , पूर्व जिलाध्यक्ष रणधीर सिंह, उज्ज्वल मंडल, बरहेट मंडल अध्यक्ष मनीष भारती , सनी मरांडी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बोकारो में अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, चार आरोपित गिरफ्तार

बोकारो। बोकारो जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र में अवैध विदेशी शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ पुलिस तथा उत्पाद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जबकि भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब, नकली पैकेजिंग सामग्री और शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं।मंगलवार को चंद्रपुरा थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में बेरमो के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रविन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था। एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने उत्पाद विभाग के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध शराब निर्माण और आपूर्ति के नेटवर्क का खुलासा किया।उन्होंने बताया कि सबसे पहले चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के तेलो पूर्वी बहियारटांड़ स्थित कामेश्वर कुमार के घर पर छापेमारी की गई। वहां से अवैध रूप से तैयार की जा रही विदेशी शराब, नकली पैकेजिंग सामग्री और शराब निर्माण में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसके सहयोगियों विनय कुमार, दिनेश प्रजापति और कृष्णा कुमार के ठिकानों पर भी छापेमारी की, जहां से बड़ी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई।छापेमारी के दौरान पुलिस ने 15 पेटी ब्लैक टाइगर व्हिस्की, 12 पेटी ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, तीन-तीन पेटी मैकडॉवेल नंबर-1 और रॉयल चैलेंजर व्हिस्की, चार पेटी स्टर्लिंग रिजर्व बी-7, बड़ी संख्या में नकली ढक्कन, शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले रैपर एवं स्टीकर तथा पांच मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस का मानना है कि इन सामग्रियों का उपयोग ब्रांडेड शराब के नाम पर नकली शराब तैयार कर बाजार में बेचने के लिए किया जा रहा था।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कामेश्वर कुमार (33), विनय कुमार (32), दिनेश प्रजापति (41) और कृष्णा कुमार (19) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपित कामेश्वर कुमार के विरुद्ध पहले से भी अवैध शराब कारोबार समेत विभिन्न मामलों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।इस संबंध में चंद्रपुरा थाना में 30 जून 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पत्नी की हत्या करने के बाद पति ने की खुदकुशी

खूंटी। खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र अंतर्गत जिलिंगकल हितडीह गांव में घरेलू विवाद में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी के डंडे से मारकर हत्या कर दी। घटना के कुछ समय बाद उसने भी गांव के बाहर एक पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।परिजनों के अनुसार लुंदा मुंडा (70) और उनकी पत्नी गुरमी मुंडा उर्फ मंगरी मुंडा (65) शुक्रवार को सायको साप्ताहिक हाट गए थे। घर लौटने के बाद रात में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि आवेश में आकर लुंदा मुंडा ने कुल्हाड़ी के डंडे से पत्नी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

महिलाओं का सशक्तिकरण एक सतत प्रक्रिया: डॉ ख्याति मुंजाल

रांची। प्राणा लाउंज में सामाजिक संस्था चैरिटेबल चार्म्स द्वारा इंपॉवर योरसेल्फके विषय पर एक विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विषयों पर जागरूक करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था की चेयरपर्सन डॉ. ख्याति मुंजाल ने कहा,महिलाओं का सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। जब महिलाएं स्वयं को समझती हैं, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखती हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती हैं, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होता है।हमारा उद्देश्य है कि हर महिला अपने भीतर की शक्ति को पहचाने और आत्मनिर्भर बने।ऐसे मंच महिलाओं को सीखने, जुड़ने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

सोनारडीह के 21 आवासों को बीसीसीएल ने किया ध्वस्त

धनबाद। सोनारडीह टांडाबाड़ी में बीसीसीएल ने 21 आवासों को ध्वस्त कर दिया। सभी आवास अवैध रूप से बनाए गए थे। 31 मार्च को टांडाबाड़ी में न भीषण भू-धंसान की घटना के बाद आवासों को खतरनाक घोषित कर दिया गया था। ज्ञात हो कि 31 मार्च की शाम हुई भू-धंसान की घटना में एक घर जमीन में समा गया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से यह क्षेत्र लगातार संवेदनशील बना हुआ है।मंगलवार को बीसीसीएल प्रबंधन ने सोनारडीह ओपी पुलिस और सीआईएसएफ की मौजूदगी में दोपहर करीब 12 बजे माइक से अनाउंसमेंट कर लोगों को सूचना दी। इसके बाद गृहस्वामियों की मौजूदगी में जेसीबी की सहायता से 21 अवैध आवासों को ध्वस्त किया गया।जिन लोगों के आवास हटाए गए, उनमें रामप्यारी देवी, चंदेश्वर भुइयां, राजेश्वर रविदास, चंदू उरांव, भूतू भुइयां, विजय दास, मिथिलेश दास, गीता देवी, सूरज हरि, मंजूर अंसारी सहित अन्य शामिल हैं।कार्रवाई के दौरान एबीजी कोलियरी के कार्मिक प्रबंधक आलोक कुमार राय, कोलियरी प्रबंधन के अभियंक तिवारी, घौड़ा सुपरवाइजर ओमप्रकाश दास, सीआईएसएफ के पोस्ट कमांडर एस.के. सिंह, सोनारडीह ओपी पुलिस, सीआईएसएफ के जवान तथा बीसीसीएल के अन्य कर्मी मौजूद थे।

ओवरब्रिज बनाने और हाइवे निर्माण पूरी होने तक टोल वसूली पर रोक

पलामू । पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के सदर प्रखंड के पोखराहा और जोड़ में ओवरब्रिज बनाने और हाइवे निर्माण पूरा होने तक जोरकट में टोल वसूली पर रोक लगाने को लेकर मंगलवार दोपहर एक बजे तक पोखराहा में धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता शामिल हुए। धरना प्रदर्शन के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा गया।धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि पोखराहा में पांकी-डालटनगंज मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 39 का क्रासिंग हादसों के लिए काफी खतरनाक हो गया है।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक वाणिज्य, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 [illegible]

www.ireps.gov.in [illegible]

sdcmerasn@gmail.com (ASN-157/2026-27)

[illegible] www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in [illegible]

@EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मतदाता सूची का एसआईआर पूरी तरह पारदर्शी और सहभागी प्रक्रिया : के. रवि

संताल एक्सप्रेस

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी तरह सहभागी, पारदर्शी और विधिसम्मत प्रक्रिया है। इसके प्रत्येक चरण का अंकेक्षण किया जाता है तथा किसी भी स्तर पर आपत्ति या त्रुटि की स्थिति में अपील का भी प्रावधान है।रांची स्थित निर्वाचन सदन में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण चरण 'इन्यूमरेशन फेज' के शुभारंभ की जानकारी देते हुए के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने बताया कि राज्यभर में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) की बैठकें आयोजित की गई हैं। साथ ही सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलओ को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं।के. रवि कुमार ने बताया कि इन्यूमरेशन फेज के शुभारंभ के अवसर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया। दो दिवसीय सोशल मीडिया अभियान के पहले दिन मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के माध्यम से राज्यभर में मतदाताओं और भावी मतदाताओं को एसआईआर से संबंधित पोस्टर एवं वीडियो दिखाकर जानकारी दी गई। दूसरे दिन सभी जिलों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, मीडिया संस्थानों और डिजिटल क्रिएटर्स ने हैशटैग झारखंड एसआइआर के माध्यम से इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को उसमें आवश्यक विवरण सत्यापित कर शेष जानकारी भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करनी होगी। उन्होंने कहा कि जो मतदाता राज्य से बाहर रह रहे हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा कर सकते हैं। यदि कोई मतदाता घर पर उपलब्ध नहीं है, तो उसके पात्र परिजन भी उसकी ओर से फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं। के. रवि कुमार ने आगे बताया कि मतदाताओं के विवरण का सत्यापन दो स्तरों पर किया जाएगा। पहले चरण में बीएलओ सुपरवाइजर और दूसरे चरण में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) अथवा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) इसकी जांच करेंगे, ताकि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुद्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है और गैर-भारतीय नागरिकों को इसमें भाग नहीं लेना चाहिए। जो भी पात्र भारतीय नागरिक निर्धारित अवधि में इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे, उनका नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप में शामिल किया जाएगा।

रहस्यमय बीमारी से पांच लोगों की मौत पर भाजपा ने राज्य सरकार पर उठाए सवाल

संताल एक्सप्रेस

पलामू। जिले के पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की टीम पहुंची। टीम ने यहां मौजूद कुलदीप मेहता के एक मात्र स्वस्थ बचे बेटे अनुज मेहता से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली। भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई है।उल्लेखनीय है कि इस गांव में रहस्यमय बीमारी से कुलदीप मेहता के परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गयी है। तीन सदस्यों का इलाज रांची रिम्स में चल रहा है। इनमें से दो की हालत काफी गंभीर है और उन्हें ऑक्सीजन पर रखा गया है।मरने वालों में सिक्का गांव के कुलदीप मेहता, उनकी बेटी बबिता और इंदु कुमारी की मौत मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में हुई थी, जबकि 28 जून को कुलदीप मेहता की बहू श्वेता कुमारी और 29 जून को बेटा नकुल मेहता की रिम्स में मौत हो गई थी। सभी शव का दाह संस्कार अनुज मेहता ने किया।अनुज बेंगलुरु में मजदूरी करता है। घटना के बाद वह घर वापस लौटा है। अनुज के अनुसार उसके परिवार के पांच सदस्यों की मौत हुई है। इलाज के लिए उन्होंने जमीन गिरवी रखकर 50 हजार रुपए लिए हैं।इधर, मौके पर पहुंचे भाजपा नेताओं ने सिक्का गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत के बाद राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी कहा कि जिस गांव में घटना घटी है, वह मुख्यालय से बेहद ही पास है, बावजूद इसके लोगों की लगातार मौत होती रही।उन्होंने सवाल किया कि परिवार जमीन गिरवी रखकर इलाज करवा रहा है, लेकिन राज्य सरकार और प्रशासन की तरफ से कोई मदद पीड़ित परिवार को नहीं मिली है। गांव के लोगों को यह भी पता नहीं चल पा रहा है कि आखिर कौन सी बीमारी से लोगों की मौत हो रही है। अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है।जिला अध्यक्ष अमित ने कहा कि भाजपा इस मामले में चुप नहीं बैठेगी। पूरे मामले में आंदोलन करेगी। मौके पर पार्टी के प्रेम सिंह, नरेंद्र पांडेय, दुर्गा जौहरी सहित कई नेता मौजूद थे।

भाजपा सोची-समझी रणनीति के तहत देशभर में करा रही एसआइआर : विनोद

पलामू । झामुमो जिला समिति के तत्वावधान में मेदिनीनगर में मंगलवार को बूथ सम्मेलन सह बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महासचिव विनोद पांडेय ने दीप प्रज्जवलित कर किया।इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महासचिव का माल्यार्पण कर और बुके भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव विनोद पाण्डेय ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और बीएलए-2 का सम्मेलन कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों के प्रति प्रशिक्षित करने के लिए किया गया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों की वोटर लिस्ट पर पैनी नजर रखें। चुनाव आयोग के नोटिफाइड बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य या जो युवा 18 वर्ष के होने वाले हैं, उनका नाम मतदाता सूची से न छूटे।विनोद पांडेय ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा एक सोची-समझी रणनीति के तहत देश भर में एसआईआर करा रही है, जिसके माध्यम से केवल अपने समर्थकों के नाम जोड़े जा रहे हैं और विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो इस तरह की किसी भी रणनीति से डरने वाला नहीं है और भाजपा की हर चाल को नाकाम करेगी।डालटनगंज और छतरपुर जैसे विधानसभा क्षेत्रों में 'अनमैप्ड' मतदाताओं की अधिक संख्या होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम किसी भी क्षेत्र को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं।मौके पर जेएमएम जिला कार्य समिति सदस्य सानू सिद्दीकी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुशीला पाण्डेय सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय नेता और बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीएमपीडीआई और एनटीपीसी के बीच एमओयू

संताल एक्सप्रेस रांची । भारत की माइनिंग क्षमता को मजबूत करने और लंबे समय तक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सीएमपीडीआई और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) ने आज सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची में एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन एक ऐसा सहयोग ढांचा बनाता है जिसके तहत सीएमपीडीआई, एनएमएल के कोयला और खनिज माइनिंग कार्यों के लिए विशेषज्ञ सलाह और तकनीकी सेवाएं प्रदान करेगा। हस्ताक्षर समारोह सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री चौधरी शिवराज सिंह, एनएमएल के सीईओ श्री सुब्रत कुमार दास एवं सीएमपीडीआई के कार्यकारी निदेशकों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर की मिली दो कार

धनबाद। जिले में एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर की दो अलग-अलग कार मिलने की खबर सामने आने से पुलिस में हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद एक कार के मालिक ने तत्काल इसकी सूचना जोड़ापोखर पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। यदि आरोप सही साबित होता है तो यह फर्जी नंबर प्लेट, वाहन दस्तावेजों में हेराफेरी या किसी बड़े वाहन रैकेट का मामला भी हो सकता है। जानकारी के अनुसार झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी निवासी मुकेश कुमार सिंह को उनके चालक ने सूचना दी कि पुटकी थाना क्षेत्र स्थित एसबीआई बैंक के पास एक ऐसी कार खड़ी है जिस पर उनकी गाड़ी का ही रजिस्ट्रेशन नंबर लगा हुआ है।

झारखंड दौरे पर 02 जुलाई को रांची आएंगे के राजू

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के राजू राज्यड दौरे को लेकर 02 जुलाई को रांची पहुंचेंगे। के राजू 06 जुलाई तक राज्य भर में पार्टी का संगठनात्मक दौरा करेंगे।उन्होंने बताया कि के राजू रांची, लातेहार, पलामू, रामगढ़ और हजारीबाग जिलों का दौरा करेंगे। वे पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस पदाधिकारियों, जीपीसीसी सदस्यों, प्रखंड कांग्रेस कमेटियों और जिला कांग्रेस कमेटियों के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण एवं आगामी राजनीतिक तथा संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे।

हत्या मामले में भाजपा नेता से जुड़ा बार सील, जांच के आदेश

जमशेदपुर। बिष्टुपुर स्थित चर्चित डबल डाउन (डीडी) बार में हुए बहुचर्चित हत्याकांड के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में प्रशासन ने भाजपा नेता नीरज सिंह और सहमालिक विजय कुमार से जुड़े डबल डाउन (डीडी) बार को सील कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।उपायुक्त राजीव रंजन के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पुलिस बल के साथ बार परिसर पहुंची और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रतिष्ठान को सील कर दिया। सहायक उत्पाद आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर मामले की गंभीरता को देखते हुए एक तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था। इस समिति में एक उत्पाद निरीक्षक (एक्साइज इंस्पेक्टर) और दो उत्पाद अवर निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) शामिल थे।प्रशासन ने घटना के सभी पहलुओं की जांच कराने का निर्णय लिया है। जांच में बार के संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, लाइसेंस संबंधी नियमों के पालन और घटना के दौरान बरती गई लापरवाही सहित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा की जाएगी।

बैंक रिकवरी एजेंट की पिटाई से घायल अशोक केशरी की इलाज दौरान मौत

धनबाद। झरिया कोयरीबांध निवासी व्यवसायी अशोक केसरी का इलाज के निधन हो गया। व्यवसायी का केला पट्टी अशोक रोड में कॉस्मेटिक्स आइटम की दुकान है। बीते दिनों रिकवरी एजेंट से हुई मारपीट में घायल होने के बाद उनका इलाज रांची के एक अस्पताल में चल रहा था और इलाज के दौरान ही मंगलवार को उनकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि बैंक के कथित रिकवरी एजेंटों द्वारा लगातार मानसिक दबाव, धमकी और अभद्र व्यवहार किए जाने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई थी जिससे उन्हें ब्रेन हैमरेज हुआ। परिजनों के अनुसार बीते शनिवार को बैंक के 4-5 कथित रिकवरी एजेंट व्यवसायी की दुकान पर पहुंचे थे और बकाया लोन की किस्त तत्काल जमा करने का दबाव बनाने लगे। व्यवसायी द्वारा कुछ दिनों की मोहलत मांगे जाने पर एजेंटों ने कथित तौर पर गाली-गलौज और बदसलूकी व मारपीट की। इस दौरान उनकी पत्नी के साथ भी अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया गया है, जिसके कारण घटना के बाद रांची में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हिमांशु चौधरी का निधन, गोड्डा में शोक की लहर

गोड्डा। गोड्डा की शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र की एक सम्मानित हस्ती हिमांशु कुमार चौधरी का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से जिले के शिक्षा जगत, सामाजिक संगठनों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका पैतृक निवास महागामा प्रखंड के सामुकित्ता सीनपुर में था, जबकि वर्तमान में वे गोड्डा शहर के बासुमती नगर, वार्ड संख्या 07 में रह रहे थे।स्वर्गीय चौधरी वीर कुंवर सिंह कॉलेज, गोड्डा में लेक्चर प्रोफेसर, सेंट थॉमस स्कूल में हिंदी शिक्षक तथा हिंदी के प्रखर प्रवक्ता के रूप में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देते रहे। गोड्डा में आयोजित अनेक सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उनकी प्रभावशाली वाणी और मार्गदर्शन की विशेष पहचान थी। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर, कोऑर्डिनेटर एवं शिक्षक प्रशिक्षक के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भरत तिवारी हत्याकांड में दोषियों को एनडीए सरकार सजा दिलाएगी

महागठबंधन सरकार में विकास ठप : चौबे

संताल एक्सप्रेस

रांची। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने आरोप लगाया है कि वर्तमान झारखंड सरकार में विकास का काम ठप है। पहले से बने सड़कों पर चिपियां साटी जा रही हैं। भरत तिवारी हत्याकांड पर उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ने इस मामले में जांच के लिए आयोग का गठन कर दिया है। हमें विश्वास है कि आयोग की रिपार्ट दोषियों को सजा दिलाने में सक्षम होगी। वे मंगलवार को यहां सर्किट हाउस में पत्रकार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में झारखंड का विकास अवरुद्ध है। राज्य में विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी को साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा, लेकिन मौजूदा व्यवस्था में यह संभव नहीं दिख रहा।इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसे 'संविधान का हत्यारा' करार दिया।उन्होंने 11 अक्टूबर जेपी जयंती पर चौहतर आंदोलन के लोगों को गांधी मैदान पटना चलने आह्वान किया। उन्होंने बताया कि आने वाले 11 अक्टूबर को बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में जेपी जयंती भव्य रूप से मनाई जाएगी। उन्होंने झारखंड के लोगों से भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

तमिलनाडु गैस रिसाव हादसे में सभी 42 प्रवासी श्रमिक ट्रेन से झारखंड रवाना

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष की ओर से तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा में प्रभावित झारखंड के सभी 42 श्रमिकों की सुरक्षित झारखण्ड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखंड के लिए रवाना हो चुके हैं।उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में 21 जून 2026 को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुःखद औद्योगिक दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखंड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव और श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे एवं अस्पताल प्रशासन के साथ 24 घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया।इस औद्योगिक हादसे में झारखण्ड के कुल 42 प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखंड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन की ओर से ट्रेन अलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में झारखंड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद मंगलवार को सभी 42 श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखंड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। यात्रा के दौरान इन श्रमिकों के लिए पैंट्री कार के माध्यम से भोजन-पानी और सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है।मृतका प्रीति देवी का पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से लाया जा रहा रांची

द सस्टेनेविलिटि इम्पाक्ट रेटींस 2026 में श्री श्री यूनिवर्सिटी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

रांची /कटक 30 जून। श्री श्री यूनिवर्सिटी ने टाइम्स हायर एडुकेसन सस्टेनेविलिटि इम्पैक्ट रेटींस 2026 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय की समग्र वैश्विक रैंकिंग 401-600 श्रेणी से सुधरकर 301-400 श्रेणी में पहुंच गई है। वहीं, भारत में इसकी रैंकिंग 24वें स्थान से बढ़कर 20वें स्थान पर पहुंची है। ओडिशा में विश्वविद्यालय ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत भी विश्वविद्यालय ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। एसडीजी-2 में विश्वविद्यालय ने वैश्विक स्तर पर 39वां, भारत में तीसरा तथा ओडिशा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। एसडीजी-13 में विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर 101-200 श्रेणी, भारत में 9वां और ओडिशा में दूसरा स्थान मिला है। इसी प्रकार एसडीजी-4, एसडीजी-15 तथा एसडीजी-7 में भी विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर 101-200 श्रेणी में स्थान मिला। इन श्रेणियों में भारत में इसकी रैंक क्रमशः 16वीं, 11वीं और 18वीं रही, जबकि ओडिशा में एसडीजी-4 एवं एसडीजी-7 में चौथा तथा एसडीजी-15 में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय कि और से कहा गया है कि यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में किए जा रहे उसके निरंतर प्रयासों का परिणाम है। साथ ही, यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

मेहरमा में झामुमो ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

मेहरमा। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को झामुमो प्रखंड समिति मेहरमा की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मेहरमा मेला मैदान से शुरू होकर बाराहाट बाजार होते हुए पिरोजपुर चौक स्थित अमर शहीद वीर सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा स्थल पहुंची। पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं ने सिद्धू-कान्हू, फूलो-झानो, चांद-भैरव, बिरसा मुंडा और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में तथा झामुमो के समर्थन में जोरदार नारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र गूंज उठा।प्रतिमा स्थल पर राम बाबा, मंजू मरांडी एवं हड़मा किस्कू ने आदिवासी परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना की। इसके बाद झामुमो जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव कुमार, निवर्तमान बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शशांक शेखर सिन्हा, प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, जिला समिति सदस्य गुलजारी लाल दास, धर्मेंद्र तिर्की, पंकज दास, ईश्वर मरांडी, हरीनंदन उरांव, ताला टुडू, मिथलेश दास सहित अन्य गणमान्य लोगों ने वीर सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया।इस अवसर पर वक्ताओं ने हूल क्रांति के महानायकों के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अमीन मुर्मू, लक्ष्मीकांत यादव, रामदेव पंडित, केदार राम, राम विलास कुजूर, महावीर कुजूर सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

हूल दिवस पर महिला कॉलेज ने किया वीर - वीरांगनाओं को याद

गोड्डा। हूल दिवस के अवसर पर स्थानीय महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय प्रबंधन एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्या डॉ. सुमनलता की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. सुधि वत्स, डॉ. ब्रजेश मिश्रा, प्रो. सारिक हसन, डॉ. सीमा परवीन, डॉ. संध्या रानी मिश्रा, डॉ. अलीमुद्दीन, प्रो. पूनम झा, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. विभा राय एवं डॉ. नूतन झा ने अमर शहीद सिदो कान्हु के तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए संताल हूल क्रांति के कारण, परिणाम एवं इसके नायक - नायिकाओं के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्राओं द्वारा हूल दिवस पर आधारित गीतों पर संताल नृत्य की खूबसूरत प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कॉलेज के अध्यापक- अध्यापिकाएं, कर्मी एवं छात्राएं उपस्थित थे।

जामताड़ा में विशेष पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत

जामताड़ा। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की शुरुआत के साथ ही प्रशासन पूरी सक्रियता से जुट गया है। मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार ने जेबीसी विद्यालय उत्क्रमित विद्यालय स्थित मतदान केंद्र संख्या-243 का निरीक्षण कर बीएलओ की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ एवं बीएलए-2 के साथ बैठक कर पुनरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी दी और मतदाताओं तक गणना प्रपत्र समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित मतदाता सूची आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित नहीं रहेगा। आगामी 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर आंशिक रूप से भरे गणना प्रपत्र वितरित करेंगे, जिन्हें आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरकर वापस करना होगा। साथ ही नए मतदाताओं का पंजीकरण, त्रुटि सुधार और नाम सत्यापन की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को अभियान को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए तथा नागरिकों से निर्धारित समय पर प्रपत्र भरकर सहयोग करने की अपील की। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी कयूम अंसारी, अंचल अधिकारी अविश्वर मुर्मू, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत, बीएलओ, बीएलए-2 तथा अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

हूल दिवस पर वीर सिदो-कान्हू को नमन

जामताड़ा। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को गांधी मैदान स्थित वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संताल हूल के अमर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त असीम किस्पोट्टा, आईटीडीए परियोजना निदेशक जुगनू मिंज, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार तथा जिला पंचायत राज पदाधिकारी पंकज कुमार रवि समेत कई अधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया।उपायुक्त आलोक कुमार ने कहा कि 30 जून 1855 का संताल हूल केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, जल-जंगल-जमीन और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का ऐतिहासिक आंदोलन था।

पिकअप की टक्कर से दो युवकों की मौत गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

जामताड़ा। नारायणपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर कोरीडीह वन गांव के समीप मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन से उचित कार्रवाई और मुआवजे की मांग की।मृतकों की पहचान बुटबेरिया गांव निवासी इरशाद अंसारी (22) और मुशर्रफ अंसारी (24) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक जामताड़ा से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान मछली लेकर जा रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और गोविंदपुर-साहेबगंज हाईवे को जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर नारायणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वैन को जब्त कर लिया है तथा दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

हूल दिवस पर भाकपा लिबरेशन का सिदो-कान्हू प्रतिमा पर माल्यार्पण

संवाददाता नाला (माले)। भाकपा (माले) लिबरेशन की ओर से मंगलवार को नाला प्रखंड के भांडारबेड़ा मोड़ स्थित सिदो-कान्हू प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर 171वां हूल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वीर शहीद सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो के बलिदान को याद करते हुए उनके संघर्ष और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।साथ ही निर्णय लिया गया कि वीर शहीदों की विचारधारा और संघर्ष की विरासत को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।कार्यक्रम में सुनील राणा, सुशील मोहली, कुंडहित प्रखंड सचिव सह सोमलाल मिर्धा,अध्यक्ष मनेशर सोरेन, ऐपवा जिला सचिव आशा मिर्धा, ममता राणा, प्रभास मारांडी, संतोष कर्मकार, लखि हांसदा, ललिता राणा, सनाथन हेंब्रम, सिबानी हेमरम, प्रवती बैसरा, मिरु हेंब्रम, देविशर टुडु, रामधन हेंब्रम, दरबारी सोरेन एवं सुनील टुडु सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करमाटांड़ में वार्षिक काली पूजा का आयोजन

करमाटांड़ । प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हेट करमाटांड़ गाँव में वार्षिक काली पूजा का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। हर साल की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण एकजुट होकर इस धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन में शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। भक्ति और आस्था का संगम पूजा के अवसर पर सुबह से ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। माँ काली की भव्य प्रतिमा को आकर्षक रूप से सजाया गया था। पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना शुरू हुई। वातावरण में शंख और घंटों की ध्वनि गूँज रही थी, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक और ऊर्जावान महसूस हो रहा था। ग्रामीणों ने माँ काली के चरणों में शीश नवाकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।परंपरा का निर्वहन– बलि प्रथा इस वार्षिक पूजा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारंपरिक परंपराओं का पालन करना है। शास्त्रों और स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार, पंडितों के मार्गदर्शन में पूरी शुद्धता के साथ अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इस अवसर पर विशेष पूजा के अंग के रूप में बकरे की बलि दी गई। इस पारंपरिक रस्म को देखने के लिए गाँव के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। सामुदायिक एकता की मिसाल इस आयोजन की सफलता का मुख्य श्रेय ग्रामीणों के आपसी सहयोग और भाईचारे को जाता है। गाँव के युवाओं और बुजुर्गों ने मिलकर पूजा की व्यवस्था को सुचारु बनाया। पूजा के समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

पूर्व रेलवे

ठिका खोबोर सं.: ईएल-32-26, तारिक 26.06.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 होतेते नामी ठिकादारको ओकोय ठेन दो वैध विद्युत ठेकेदार रेयाक् लाइसेंस मेनाक्आ आर नोवाको कामी पुराउ दाड़ेयाक्आको, ठेन ई-ठिकाय खोजेत् कानाः **कामी ञुतुम आर ठांवः** आसनसोल मंडलः प्राइमरी आर सेकंडरी मेंटेनेंस ओकते एलएचबी कोचको बिनिड़ाउ लागित् नावां कोचिंग कॉ प्लेक्स, आसनसोल रे 2000 केवीए सीएसएस होतेते एचओजी कोचको दोहोजोगाव लागित् 750 वो. पावर सप्लाई रेयाक् प्रावधान सालाक् एटाक् विद्युत गोड़ोंक् कामी। **ठिका गोनोङः** रू. 5,22,71,981.52, **बायना टाकाः** रू. 10,45,400/-, **ठिका कागजात रेयाक् गोनोङ शून्य। कामी मुचाद सोमोय :** 12 चान्दो। **बोंदोक् आर खुलाक् तारिक आर सोमोयः** तारिक 21.07.2026 हिलोक् 11.00 बजे। पुराउ बिबोरोन रेलवे रेयाक् वेबसाइट **www.ireps.gov.in** रेपे ञेल दाड़ेयाक्आ।

(ASN-156/2026-27)

ठिका खोबोर वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** रे हों मेनाक् आकादा।

नोंड़े पांजालेपेः @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूजा- पाठ के नाम पर ठगी

महागामा । नगर पंचायत के पछियारी टोला में धर्म और आस्था की आड़ में ठगी का मामला सामने आया है। महागामा निवासी प्रदीप कुमार ने महागामा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि दो कथित साधुओं ने उनकी पत्नी को पूजा-पाठ के बहाने झांसे में लेकर नकदी और सोने की चेन ठग ली तथा फरार हो गए। प्रदीप कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे के करीब मेरी पत्नी घर पर अकेली थीं। इसी दौरान दो कथित साधु उनके घर पहुंचे और उन्होंने घर की परेशानियां दूर करने और सुख-समृद्धि के लिए विशेष पूजा कराने की बात कही।

राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : स्वास्थ्य मंत्री

संताल एक्सप्रेस

जामताड़ा। जिले के थैलेसीमिया, हीमोफीलिया और सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए मंगलवार का दिन राहत लेकर आया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सदर अस्पताल में अत्याधुनिक थैलेसीमिया एवं हीमोफीलिया डे-केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस सुविधा के शुरू होने से अब मरीजों को इलाज, जांच और नियमित चिकित्सकीय परामर्श के लिए दूसरे जिलों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। उद्घाटन समारोह में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हीमोफीलिया जन्मजात बीमारी है, जबकि थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के उपचार के लिए सरकार विशेष योजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि थैलेसीमिया मरीजों को इलाज के लिए 15 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उपायुक्त आलोक कुमार ने कहा कि डे-केयर सेंटर से जिले के मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेंगे, जबकि सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद मिश्रा ने इसे जामताड़ा के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त असीम किस्पोट्टा, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक तथा अस्पताल के कर्मचारी मौजूद रहे।

फतेहपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का स्वागत

संताल एक्सप्रेस

फतेहपुर । झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता चंपई सोरेन का फतेहपुर मोड पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। यह घटनाक्रम तब हुआ जब चंपई सोरेन हूल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए जामताड़ा से दुमका की ओर जा रहे थे।

रामपुर चक में हूल दिवस कार्यक्रम की गरिमा

अपनी यात्रा के दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री रामपुर चक (अमला बनी) स्थित एक स्थानीय क्लब द्वारा आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने संथाल हूल के महानायकों, वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के संघर्षों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि हूल दिवस हमें अन्याय के विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद

दुमका जाने के क्रम में, चंपई सोरेन ने भाजपा के युवा नेता मनोज गोस्वामी के आवास पर संक्षिप्त विराम लिया। इस दौरान उन्होंने पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। श्री सोरेन ने कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए संगठन की मजबूती और स्थानीय जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य पूरी निष्ठा से करें।

प्रमुख पदाधिकारियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर फतेहपुर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। स्वागत कार्यक्रम और चर्चा के दौरान मुख्य रूप से फतेहपुर मंडल अध्यक्ष संजय मंडल, अमित मंडल, निवारण मंडल, प्रमोद गोस्वामी, निर्मल भंडारी, प्रबोध मंडल, लखीराम टुड्डू, सनातन हेंब्रम, पलटू महतो और सबूज रूइदास सहित कई अन्य भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्थानीय कार्यकर्ताओं ने चंपई सोरेन के आगमन को क्षेत्र के लिए ऊर्जादायक बताया। इस भव्य स्वागत ने न केवल कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाया है, बल्कि आने वाले समय में क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को और अधिक गति प्रदान करने का संकेत भी दिया है। कार्यक्रम के अंत में श्री सोरेन अपने गंतव्य दुमका के लिए प्रस्थान कर गए।

बड़ी वारदात की साजिश नाकाम तीन हथियारबंद अपराधी गिरफ्तार

पथरगामा। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पथरगामा थाना पुलिस ने अमरपुर पुल के समीप बड़ी कार्रवाई करते हुए किसी बड़ी आपराधिक घटना की साजिश रच रहे तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस तथा बिना नंबर की दो अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार बीते 29 जून को सूचना मिली थी कि अमरपुर पुल के पास 4-5 अपराधी हथियार के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की नीयत से जुटे हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी शिवदयाल सिंह के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित कर मौके पर पहुंची। वहां पहले से मौजूद ग्रामीणों ने हथियारबंद युवकों को घेर रखा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया, जबकि दो आरोपी भीड़ को चकमा देकर फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पथरगामा थाना क्षेत्र के रजौन कला निवासी सन्नी कुमार, गोड्डा नगर थाना क्षेत्र के अमडीहा निवासी अर्जुन कुमार दास तथा बांका (बिहार) के अमरपुर थाना क्षेत्र निवासी राहुल देव राय के रूप में हुई है।

1.56 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गोड्डा। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नगर थाना पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर कुल 1.560 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गोड्डा मीट मंडी के बगल स्थित एक गुमटी तथा पुराने समाहरणालय के सामने स्थित दूसरी गुमटी में गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अंचलाधिकारी हलधर सेठी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।पहली छापेमारी मीट मंडी के समीप स्थित गुमटी में की गई, जहां से सिंदु देवी (75 वर्ष), महावीर नगर निवासी के कब्जे से 485 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके बाद पुराने समाहरणालय के सामने स्थित एक गुमटी में छापेमारी के दौरान प्रवीण कुमार सहनी (33 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

सिदो-कान्हू और बिरसा मुंडा को दी गई श्रद्धांजलि

गोड्डा । हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को जिला प्रशासन की ओर से कारगिल चौक स्थित वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा तथा कदवा टोला स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त विस्पुते कांत यशवंत, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सहित जिले के वरीय अधिकारियों ने वीर शहीदों के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

हूल दिवस पर बाल विवाह, बाल मजदूरी और तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान

फतेहपुर (जामताड़ा)। हूल दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर मंगलवार को मुर्गाबनी मोड़ तथा बागदाहा में बाल विवाह, बाल मजदूरी एवं बाल तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोगी संस्था वनवासी विकास आश्रम, जामताड़ा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले में व्याप्त बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों को जड़ से समाप्त करना था। संथाल परगना में बाल विवाह की गंभीर स्थिति है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि संथाल परगना क्षेत्र में आज भी रूढ़िवादी परंपराओं के नाम पर कम उम्र में लड़के-लड़कियों की शादी कर दी जाती है। इसका सीधा असर बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास पर पड़ता है।

विकास योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय में काम पूरा करें : डीडीसी

गोड्डा। उपायुक्त के निर्देश पर डीआरडीए सभागार में उप विकास आयुक्त विस्पुते श्रीकांत यशवंत की अध्यक्षता में जिला विकास शाखा द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति, स्वीकृत एवं लंबित कार्यों, वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धियों तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर कार्यों का भौतिक सत्यापन करने तथा तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। इसके लिए सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें ताकि योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंच सके।उप विकास आयुक्त ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने, वित्तीय अनुशासन का पालन करने तथा लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

मिहिजाम में मना हूल दिवस, वीर सिदो-कान्हू को दी गई श्रद्धांजलि

जामताड़ा। मिहिजाम के बढ़जोड़ा पंचायत स्थित सिद्धू-कान्हू प्रतिमा स्थल पर मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक आदिवासी संस्कृति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व गुरु हड़ाम रेणु मुर्मू ने किया। सुबह शहरडाल स्थित झामुमो कार्यालय से आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा, तीर-धनुष तथा ढोल-तमक के साथ जुलूस की शक्ल में कार्यक्रम स्थल पहुंचे। पूरे रास्ते युवा-युवतियों ने पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत कर हूल आंदोलन के शहीदों को अपनी अनूठी श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम स्थल पर गुरु हड़ाम रेणु मुर्मू ने विधि-विधान के साथ वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा का पूजन कर माल्यार्पण किया। इसके बाद समाज सुधारक विनोद बिहारी महतो की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया गया। उपस्थित लोगों ने बारी-बारी से प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर हूल आंदोलन के अमर सेनानियों के बलिदान को नमन किया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद सामूहिक खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह में भारतेंदु मुर्मू, बिष्णु देव मुर्मू, इम्तियाज खान, आलम अंसारी, नेहरू सोरेन, लखन किस्कू, मेरी मरांडी, सुलेखा रॉय, रानी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हूल आंदोलन की विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक इसके संदेश को पहुंचाने का संकल्प भी लिया गया।

करमाटांड़ में एसआईआर अभियान को लेकर बैठक

करमाटांड़ । प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त के निर्देश पर सभी मतदान केंद्रों पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नामित एजेंटों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य एसआईआर अभियान की प्रक्रिया से एजेंटों को अवगत कराना तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में उनकी भूमिका स्पष्ट करना था।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी बूथों पर संबंधित बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नामित एजेंटों के साथ बैठक की। इस दौरान एजेंटों को मतदाता सूची के सत्यापन, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने सहित एसआईआर अभियान की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। बैठक में अंचल अधिकारी चोनाराम हेम्ब्रम, बीएलओ, संबंधित कर्मचारी, सहायक कर्मचारी तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नामित एजेंट उपस्थित रहे।

जल, जंगल और जमीन बचाने को फिर चाहिए 'हूल' की चेतना : चंपाई सोरेन

जामताड़ा। हूल दिवस के अवसर पर जामताड़ा प्रखंड के अमलाबनी रामपुर चौक टोला स्थित सिद्धू-कान्हू चौक में आयोजित समारोह में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आदिवासी समाज के अधिकारों और जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज संताल परगना समेत पूरे झारखंड में आदिवासी जमीनों पर अवैध कब्जे बढ़ रहे हैं और ऐसी परिस्थितियों में समाज को एक नई हूल चेतना की जरूरत है।चंपाई सोरेन ने आरोप लगाया कि हूल दिवस पर भोगनाडीह में ग्रामीणों के कार्यक्रम को रोककर सरकार ने ऐतिहासिक परंपरा को बाधित किया और पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में बदल दिया। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो के संघर्ष ने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी थी, लेकिन आज भी आदिवासियों के अधिकार सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि संताल परगना में बड़ी मात्रा में आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जा हुआ है और एसपीटी एक्ट का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है।कार्यक्रम से पहले चंपाई सोरेन ने सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में मंगल सोरेन, उत्तम हेम्ब्रम, सोनमुनि हेम्ब्रम, बीता हांसदा, सुनील हांसदा, मुखिया निर्मला सोरेन, दारा सिंह हेम्ब्रम, लालेश हेम्ब्रम, अर्जुन सोरेन, सुखेंद्र टुडू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हूल दिवस पर नगरी गांव के दर्जनों युवकों ने झामुमो की सदस्य ग्रहण की

कुंडहित (जामताड़ा) । हूल दिवस के अवसर पर कुंडहित मोड़ में विधानसभा अध्यक्ष रबिंद्रनाथ महतो नगरी गांव के दर्जनों युवाओं को झामुमो पार्टी में पट्टा पहना कर शामिल की। संजय दास एंव फकिर मान्ना के नेतृत्व में नगरी, गायसावड़ा आदि गांव के बच्चन रविदास, राजकुमार दास, प्रबिर मिर्धा, दिनेश रविदास, अजय मिर्धा सहित 20 युवा कार्यकर्ता विधानसभा अध्यक्ष रबिंद्रनाथ महतो के समक्ष उपस्थित होकर झामुमो पार्टी में शामिल हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ता को पार्टी की पट्टा पहनाकर झामुमो पार्टी में शामिल की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने सभी को अपना पार्टी में शामिल करते हुए कहा यह पार्टी एक अनुशासित पार्टी है । हर एक कार्यकर्ता हमारा देवतुल्य के समान है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी में निष्ठा भाव से कार्य करने की सलाह दी तथा पार्टी के नीति सिद्धान्त पर चलने की सलाह दी। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हेंब्रम, सचिन कुतुबुद्दीन खान, विधायक प्रतिनिधि शरम मंडल, संतोष सिंह सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महागामा। प्रखंड अंतर्गत ऊर्जानगर में मंगलवार को झामुमो की ओर से सिद्धू-कान्हू हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ताओं, स्थानीय पदाधिकारियों एवं समर्थकों ने भाग लेकर संताल हूल के महानायक सिद्धू मुर्मू, कान्हू मुर्मू सहित सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहने तथा शहीदों के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1855 का संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण क्रांतियों में से एक था।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन विस्तार पर जोर

संवाददाता नाला (जामताड़ा)। खैरा मंडल अंतर्गत बान्दो गांव में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खैरा मंडल अध्यक्ष मोहित भोक्ता ने की, जबकि जिला प्रभारी प्रदीप साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की सेवा, सुशासन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी गई। साथ ही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर भी विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर बल दिया और कार्यकर्ताओं से अभी से आगामी 2029 के विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।इस अवसर पर पूर्व मंत्री सत्यानंद झा बाटुल, नाला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी माधव चंद्र महतो, भाजपा नेता विष्णु मंडल, मनोज गोस्वामी, जिला महामंत्री अभय कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण चंद्र महतो, नाला मंडल अध्यक्ष कैलाश मंडल, खैरा मंडल के पूर्व अध्यक्ष ठाकुर मनी सिंह, जिला युवा मोर्चा मंत्री समरेश सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी अमित सिंह, सुभाष सिंह, भोलानाथ सिंह, अनाथ गोराई, देवेंद्रनाथ मांझी, वरुण मंडल, समीर घोष, राजू मंडल, विनन्द सिंह, प्रदीप पाल, कृष्ण चंद्र सिंह, नरेश यादव, खगेश्वर सिंह, कमल सिंह, झाबान सिंह, रतन कर, राम कृष्णा सिंह, करण सिंह, किशोर सिंह, हरनन्दन सिंह, नकुल मिर्धा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्रांति के महानायकों को हूल दिवस पर किया गया याद

महागामा। नगर क्षेत्र में हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया।प्रखंड के दियाजोरी के समीप स्थित सिद्धू-कान्हू प्रतिमा स्थल एवं ऊर्जानगर कॉलोनी स्थित प्रतिमा पर झामुमो, कांग्रेस, भाजपा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने महान क्रांतिकारी सिद्धू मुर्मू, कान्हू मुर्मू तथा संताल हूल के सभी अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबोध सोरेन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को नमन किया तथा जल, जंगल, जमीन और आदिवासी- मूलवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहने का संकल्प लिया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबोध सोरेन ने कहा कि सिद्धू-कान्हू का संघर्ष झारखंड की पहचान और स्वाभिमान का प्रतीक है।

संताल हूल के गुमनाम क्रांतिकारी नायक- चंद्राई, बिजई मांझी और सिंगराई

डॉ. दिनेश नारायण वर्मा

1855-1856 के संताल हूल के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु ऐतिहासिक स्रोतों की प्रचुरता उपलब्ध है। लेकिन अभी भी अनेक ऐसे ऐतिहासिक स्रोत हैं, जिनका अध्ययन अब तक नहीं किया गया है। 19वीं सदी और 20वीं सदी के प्रारंभिक काल में कलकत्ता और उसके आसपास से प्रकाशित प्रिंट मीडिया साहित्य के अतिरिक्त, ऐतिहासिक दृष्टि से जिला जनगणना पुस्तिकाएँ (District Census Handbooks) भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में मुझे एक

1961 बिहार जिला जनगणना पुस्तिका, 12 संताल परगना, भाग-ढ्ढ – जनगणना तालिकाएँ, आधिकारिक आँकड़े और ग्राम निर्देशिका÷ (भारतीय प्रशासनिक सेवा के एस.डी. प्रसाद, अधीक्षक, जनगणना संचालन, बिहार) को देखने का अवसर मिला, विशेषकर उसके उन अंशों को जिनमें 1855-1856 के संताल विद्रोह का उल्लेख है (पृष्ठ iii-1)। यह उल्लेखनीय है कि लेखक एस.डी. प्रसाद ने इसे ÷संताल विद्रोह, 1855 शीर्षक दिया, जबकि प्रसिद्ध इतिहासकार के.के. दत्ता ने इसे 1855-57 का संताल विद्रोह (कलकत्ता, 1940) कहा है और के.के. बसु ने इसे भागलपुर में संताल उभार (जर्नल ऑफ बिहार एंड उड़ीसा रिसर्च सोसायटी, पटना, जून 1934)।

औपनिवेशिक लेखकों डब्ल्यू.जी. आर्चर और डब्ल्यू.जे. कुल्शॉ ने भी इसे संताल विद्रोह कहा (Man in India, रांची, दिसंबर 1945)। अनेक अन्य भारतीय विद्वानों ने भी इसे विद्रोह ही माना और जनगणना लेखक ने भी उसी परंपरा का अनुसरण किया।

इसलिए यह समझना कठिन है कि यह दृष्टिकोण किस हद तक औपनिवेशिक सोच से प्रभावित था। लेखक ने बनियों, महाजनों, स्थानीय प्रशासन, नायब सज़ावालों तथा पुलिस के दमनात्मक रवैये पर विशेष ध्यान दिया। साथ ही उसने कमियौती (Kamiauti) व्यवस्था के दुष्प्रभावों को भी रेखांकित किया, जो उस समय क्षेत्र में लालची साहूकारों के अधीन प्रचलित थी।

लेखक ने श्री ए. मित्रा (1951 की जनगणना पुस्तिका, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल) के विचारों से सहमति जताई, जिन्होंने ÷हूल÷ (विद्रोह) के संदर्भ में संतालों की आर्थिक बदहाली पर ज़ोर दिया, जो 1793 के स्थायी बंदोबस्त (Permanent Settlement) का परिणाम थी। उन्होंने लिखा- ÷स्थायी बंदोबस्त और उसके पहले का दौर पूरे क्षेत्र में उजाड़पन, दुःख और गरीबी लेकर आया। नए बसाए गए जमींदार पर उसकी सम्पत्ति की सभी भूमि पर एक काल्पनिक 10/11 हिस्से तक कर लगाया गया, जिनमें अधिकांश भूमि बंजर, घने जंगलों से भरी और बिना खेती वाली थी। इन भूभागों को उपजाऊ बनाने का काम संतालों के हिस्से आया।जमींदारों को ईस्ट इंडिया कंपनी को लगान देना पड़ता था, इसलिए वे संतालों का शोषण करते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी केवल राजस्व लेने से संतुष्ट थी; उसे यह जानने की चिंता नहीं थी कि यह बोझ किस प्रकार आगे बढ़ाया जा रहा है। कंपनी तब तक संतुष्ट रही जब तक 'दिकू' संतालों का शोषण करते रहे और संताल न्याय की तलाश में भटकते रहे।

कंपनी ने संतालों की बुनियादी जरूरतों की रक्षा के लिए दिकुओं को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया। वह तब तक खुश थी जब तक राजस्व का प्रवाह बना रहा। लेकिन जब संताल एकजुट होकर उठ खड़े हुए और अपने तत्काल उत्पीड़क 'दिकू' को समाप्त करने का प्रयास किया, तब कंपनी ने राजस्व के प्रवाह को बनाए रखने के लिए दिकुओं की रक्षा करना आवश्यक समझा।

(The Calcutta Review, 1856, पृ. 240–241)

इनसे ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेने के कारण संताल अक्सर ऋण नहीं चुका पाते थे और इसी आधार पर महाजन अदालत से कुर्की का वारंट आसानी से हासिल कर लेते थे। अधिकांश मामलों में संतालों को कुछ पता ही नहीं चलता था और वे ऐसे न्यायिक नोटिसों का सामना करने का साहस भी नहीं कर पाते थे, इसलिए भाग जाते थे। लेकिन कभी-कभी घटनाएं ऐसी दिशा लेती थीं जो ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सिद्ध होती थीं। लिटीपाड़ा के बिजई मांझी द्वारा मुंसिफ कोर्ट के कर्मचारी को थप्पड़ मारना एक असाधारण घटना थी और इससे विदेशी अधिकारियों में भारी हलचल मच गई।

K. K. Datta (1940, 1957) और P. C. Roy Chaudhury (1962, 1965) जैसे इतिहासकारों के कार्यों में गंगाधर, मानिक संताल, बीर सिंह, बीर सिंह मांझी, कोले प्रामाणिक, डोमन मांझी और मोर्गो राजा का उल्लेख मिलता है, लेकिन बिजई मांझी, चंद्राई और सिंगराय का उल्लेख नहीं मिलता। प्रसाद के अनुसार, बिजई मांझी को भागलपुर जेल भेज दिया गया, जहां बिना किसी मुकदमे के थोड़े समय बाद उसकी मृत्यु हो गई। बिजई मांझी की मृत्यु ने उसके परिजनों और पूरे क्षेत्र के संतालों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया। उसका पुत्र सिंगराय विद्रोह का झंडा लेकर खड़ा हुआ। यह विद्रोह बिजई मांझी पर हुए अन्याय का स्वाभाविक परिणाम था और इसे संतालों तथा अन्य लोगों का समर्थन प्राप्त था।

सिंगराय ने एक ब्रिटिश रेलवे कर्मचारी की पत्नी और बहन की हत्या कर दी। बाद में उसे घने जंगल में **Sidhu Murmu** (हूल के प्रमुख नायकों में से एक) के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को संक्षिप्त मुकदमे के बाद बरहेट बाजार में फांसी दे दी गई। संतालों में भारी आक्रोश फैल गया और संघर्ष शुरू हो गया। महेश दत्त और केना राम भगत को, राजमहल के दारोगा मुबारक अली के साथ, बरहेट बाजार में मार दिया गया। मुख्य रूप से शोषक महाजन और जमींदार ही इस हिंसा के शिकार बने।

The Calcutta Review (1860) की रिपोर्ट में उल्लेखनीय बात यह है। उनकी पहली कार्रवाई राजमहल के निकट एक थाने के दारोगा को मारना थी, और दारोगा के साथ उसके बरकंदाज भी मारे गए। यदि रिपोर्ट सत्य है, तो दारोगा अपने अंजाम का हकदार था, और संतालों ने केवल वही किया जिसे वे अपनी महिलाओं के अपमान और पुरुषों-महिलाओं पर हुए अत्याचार का वैध प्रतिशोध मानते थे। दारोगा के गिरते ही महाजनों ने, जिनके लंबे समय से चले आ रहे हिसाब-किताब उनकी मृत्यु के साथ ही समाप्त हो गए थे और जिन्होंने संथालों के जीवन को केवल दुखों से भर दिया था, लंबे समय से दबे हुए आक्रोश और रक्तपिपासा के साथ संथालों को उकसाया। संथालों ने उन सभी लोगों को खोज-खोजकर मार डाला जिन्हें वे अपने उत्पीड़कों से जुड़ा मानते थे।

जुलाई 1855 के लगभग एक महीने के भीतर हूल आंदोलन बंगाल प्रेसिडेंसी के बड़े हिस्से में फैल गया– बर्दवान, रानीगंज, सैंथिया, सूरी (पश्चिम बंगाल), कहलगांव, पीरपैंती, भागलपुर (बिहार), तथा राजमहल, महेशपुर, पाकुड़, बरहेट (झारखंड) और आसपास के क्षेत्रों तक।कहा जाता है कि उन्हें अपने प्राचीन स्वर्णिम दिनों की स्मृतियों से प्रेरणा मिली, जब उन पर कोई बाहरी शासक नहीं था और वे अपनी पारंपरिक जनजातीय व्यवस्था के अंतर्गत पूर्ण स्वतंत्रता का आनंद लेते थे। जैसा कि कहा गया है–

...वे स्वयं गंगा घाटी के स्वामी थे।

(P.C. Roy Chaudhury, 1965, Bihar District Gazetteers: Bhagalpur, Secretariat Press, Bihar, Patna, p-65)

उनका एकमात्र उद्देश्य अपनी पारंपरिक व्यवस्था को पुनः स्थापित करना था ताकि विदेशी शासन से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हो सके। हालांकि वे अपने मिशन में सफल नहीं हो सके, क्योंकि कंपनी सरकार ने सेना, गोला-बारूद, हथियार आदि की सहायता से हूल को निर्ममता से दबा दिया। 31 दिसंबर 1855 तक हूल को कुचल दिया गया और 3 जनवरी 1856 को मार्शल लॉ हटा लिया गया **(McPherson, 1909-37)**

लेकिन भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार (नई दिल्ली) में संरक्षित गृह न्यायिक अभिलेख (सितंबर 1857) से यह स्पष्ट होता है कि संथाल पूरी तरह दबाए नहीं गए थे और उन्होंने 1857 के राष्ट्रीय संघर्ष में भी भाग लिया।इसके बाद अधिकारियों को आदिवासियों के प्रति अपनी नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ा और दिसंबर 1855 के अधिनियम संख्या 37 (XXXVII Act) के प्रावधानों के अंतर्गत संताल परगना को गैर-विनियमित (Non-Regulation) जिला घोषित किया गया।

1833 में दामिन-इ-कोह के गठन के बाद, जो सदरलैंड (1819) की रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर हुआ था, संताल परगना को गैर-विनियमित जिला के रूप में स्थापित किया जाना क्षेत्रीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी।

यह उल्लेखनीय है कि संताल परगना को गैर-विनियमित जिला बनाने में चंद्राई, सिंगराय और बिजाई मांझी जैसे वीरों का ऐतिहासिक योगदान और देशभक्ति अत्यंत महत्वपूर्ण रही। समाज और राष्ट्र के लिए उनके महान बलिदान को देखते हुए आज भी उनका योगदान अत्यंत प्रासंगिक है।

(लेखक SKMU दुमका से सेवा निवृत प्राध्यापक हैं और जनजातीय अध्ययन के प्रसिद्ध विद्वान हैं।वर्तमान में रामपुरहाट(पश्चिम बंगाल) स्थित अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र के निदेशक हैं)

हूल : एक ऐसी क्रान्ति जिसमें आदिवासीयत को समझने का सिद्धांत भी है और जीवन दर्शन भी

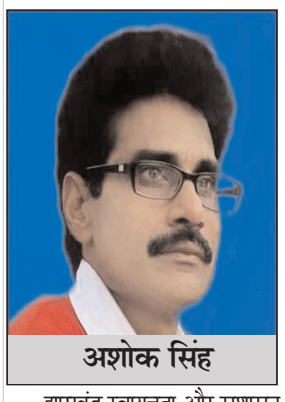

अशोक सिंह

झारखंड स्वायत्तता और सुशासन का अगुआ रहा है। यहां की धरती प्रतिरोध की धरती रही है। जब भी यहां शोषण, दमन व अत्याचार हुआ है यहां के आदिवासियों ने गोलबंद होकर उसका सामना किया है। संताल हूल से लेकर बिरसा उलगुलान तक और नेतरहाट फिल्ड फायरिंग रेंज आंदोलन से लेकर कोयलकारो आंदोलन तक का इतिहास इसका बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण रहा है।

बात संताल परगना क्षेत्र के संताल हूल की करें तो 19वीं सदी के मध्य दशक में दामिन ए कोह के संताल समुदाय सहित अन्य पिछड़े व शोषित समुदायों का जो दमन, शोषण व अत्याचार साम्राज्यवादी ब्रिटिश शासन तंत्र और जमींदारों, महाजनों साहूकारों के गंठजोर ने किया, उसी का व्यापक और ऐतिहासिक परिणाम था 1855 का संताल हूल।

हूल इतना विशाल और व्यापक था कि उसकी श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया वर्तमान साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से लेकर भागलपुर और पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले तक में उग्रतम रूप में देखी गई थी। ऐसे में इतने बड़े और व्यापक सशस्त्र विद्रोह के सुचारू संचालन के लिए ब्रिटिश शासन से शोषित, उत्पीड़ित, अपेक्षित समस्त समुदायों को एकजुट व एकसूत्र में बांधने की आवश्यकता थी। शायद इसलिए वर्ण और जाति वर्ग भेद भूलकर सभी समुदाय इसके लिए एकजुट हुए थे और मिलकर संघर्ष किया था। बावजूद इतिहासकारों ने विद्रोह की व्यापकता व तीव्रता को सीमित करते हुए इसे संताल विद्रोह की संज्ञा दी। जबकि इस संताल हूल के दो वर्ष बाद 1857 में हुए सिपाही विद्रोह को इतिहासकारों ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में स्थापित कर दिया। आदिवासी दृष्टि से देखें समझें तो आदिवासी समुदाय के संघर्ष और उनकी अस्मिता की इससे अधिक और घोर उपेक्षा क्या हो सकती है! क्या इसे उनके इतिहास के साथ हुआ छल व षड्यंत्र नहीं कहा जा सकता!

1855 के संताल हूल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर एक नजर डाले तो संक्षेप में हम कह सकते हैं कि एक लंबे अरसे से जमींदारों सूदखोर महाजनों और ब्रिटिश हुकूमत के शोषण दमन के खिलाफ संतालों के मन में सुलग रही असंतोष की आग एकाएक क्रांति के रूप में भड़क उठी, जिसका नेतृत्व साहेबगंज भोगनाहीह के सिद्धू कान्हू चांद, भैरव नामक चार भाइयों ने किया था, जिसमें उनकी दो बहनों फूलो झानो की भी बड़ी भूमिका रही थी।

कहा जाता है सिद्धू कान्हू ने अपने आंदोलन को जन आंदोलन बनाने के लिए तत्काल धार्मिक भावनाओं का सहारा लेते हुए संतालों को यह संदेश दिया था कि ईश्वर ने उन्हें संतालों को संगठित कर अत्याचारों का अंत करते हुए अपना

स्वतंत्र राज्य स्थापित करने का आदेश दिया है। फिर क्या था 30 जून को सिद्धू कान्हू के आह्वान पर लगभग 400 गांवों के 10,000 संताल आदिवासी भोगनाडी में एकत्रित हुए और जमींदारों, महाजनों व ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने का सामूहिक संकल्प लिया।

सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में संताल क्रांतिकारियों ने बंगाल और पछियारी महाजनों को खदेड़ डालने और उस क्षेत्र को अपने अधिकार में करके, अपना राज्य कायम करने के निश्चय की घोषणा तो कर डाली परंतु कुम्हार, लोहार, तेली, मोनिम व दलित जातियों के लोगों, जो अनेक प्रकार से उनके सहायक थे, उन सबों को अपने प्रतिरोध की भावना से अलग रखा। साथ ही सभी वर्गों को एकजुट कर अपने संगठन को और मजबूत किया।

भोगनाडीह की सभा के बाद क्रांतिकारियों ने अपना अभियान आरंभ किया और एक रणनीति के तहत संघर्ष के लिए सामूहिक रूप से उठ खड़े हुए। देखते ही देखते सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में यह विद्रोह काफी व्यापक पैमाने पर फैल गया और वर्ग संघर्ष का रूप ले लिया। दूसरी तरफ जमींदारों और महाजनों ने विद्रोह को कुचलना के लिए ब्रिटिश हुकूमत का साथ दिया। फलस्वरुप संताल परगना से लेकर भागलपुर और बीरभूम तक के विभिन्न क्षेत्रों में विद्रोह का स्वरूप काफी भयानक व व्यापक हो गया।

जुलाई 1855 को लगभग 4,000 विद्रोहियों ने अंग्रेजी फौज के साथ भयंकर युद्ध किया, जिसमे संताल नेतृत्वकर्ता सहित कई क्रांतिकारी नेता घायल हुए और लगभग 200 से अधिक आदिवासी मारे गए। लगभग एक सप्ताह बाद पुनः संघर्ष शुरू हुआ और क्रांतिकारियों ने पुलिस, महाजन और जमींदारों की सम्मिलित सेना को पराजित किया। इस व्यापक विद्रोह और उसकी तीव्रता को देखते हुए तत्कालीन अंग्रेज कमिश्नर ने सैनिक कार्रवाई के द्वारा विद्रोहियों के सैकड़ों गांवों को नष्ट कर दिया और सिद्धू कान्हू को अलग-अलग जगहों पर सार्वजनिक रूप से हजारों क्रांतिकारियों के समाने फांसी दे दी गई। तथा चांद भैरव सहित अन्य क्रांतिकारी संघर्ष करते हुई वीरगति को प्राप्त हो गए।

अंग्रेजी सरकार ने अपनी सैन्य शक्ति व कूटनीति से फूट डालो और शासन करो की नीति के बल पर उक्त सशस्त्र क्रांति का दमन तो कर दिया परंतु स्वतंत्रता की आग भीतर ही भीतर सुलग रही थी, जो आगे चलकर संताल परगना में सफा होड़ अर्थात सुधारवादी संतालों के अहिंसक आंदोलन के रूप में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की मुख्यधारा के साथ मिलकर संघर्ष में शामिल हो गई।

स्पष्ट है कि संतालों के नेतृत्व वाली उक्त सशस्त्र क्रांति का स्वरूप राष्ट्रीय और ब्रिटिश शासन विरोधी था। यद्यपि अंग्रेज सरकार की कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में उसे मुख्यतः गैर संताल विरोधी करार दिए जाने का प्रयास किया जाता रहा, जो आदिवासी इतिहास के साथ किया गया षड्यंत्र ही कहा जा सकता है।

साम्यवादी लेखक कार्ल मार्क्स ने अपनी भारत संबंधित टिप्पणी में 1855 के संताल विद्रोह की चर्चा करते हुए लिखा है कि सत्ता शासन के लिए होने वाले युद्धों से अलग यह अपने तरह का एक ऐसा पहला संगठित जनयुद्ध था, जिसमें सिपाहियों के बदले आम लोगों ने हिस्सा लिया था। एक ओर अंग्रेज सैनिकों की बंदूकें व तोपें थी तो दूसरी ओर बुलंद हौसले के साथ पारंपरिक हथियार लिए संताल आदिवासी थे। भारतवर्ष के इतिहास में ब्रिटिश शासन के लिए 1855 की लड़ाई कई मायनों में अहम रही थी। अपने अधिकारों के लिए लड़े गए संघर्ष की मूल भावना को ब्रिटिश शासन ने समझा और तब जाकर उन्हें अपने गांव व सीमा क्षेत्र के अंदर अपने पारंपरिक तरीके से रहने का अधिकार देते हुए, इस क्षेत्र के लिए विशेष कानून बनाया।

संताल हूल को संताल विद्रोह कहते ही इसकी परिभाषा खोखली हो जाती है। क्योंकि वास्तव में यह सिर्फ अंग्रेजों के विरुद्ध एक विद्रोह मात्र नहीं बल्कि सार्वभौमिकता एवं अस्तित्व को बचाने के लिए अधिकार पूर्ण संघर्ष था। वर्ग संघर्ष का एक ऐसा स्वरूप जिसके कारण संताल परगना क्षेत्र को राजनीतिक एवं सामाजिक अधिकार मिला। इस पूरे वर्ग संघर्ष को संताल विद्रोह न मानकर सिर्फ हूल ही कहा जाना चाहिए। इस हूल का महत्वपूर्ण तत्व जहाँ एक ओर प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन था वहीं दूसरी ओर विविधता और विभिन्नता को बरकरार रखना भी था। साथ ही श्रम को केंद्रीय तत्व मानकर समुदाय और समाज को सबल बनाना भी था लेकिन हूल के इतने वर्षों बाद भी यह हो न सका और हुआ यह कि विकास की नीति परंपरागत जरूरतों के अनुरूप नहीं बनाए गए। आदिवासियों को उस बाजार के हवाले कर दिया गया, जिसका आधार ही मोलतोल है। जबकि यह तो सब जानते हैं कि आदिवासी परंपरा और उनके जीवन व्यवहार में मोलतोल का कोई स्थान नहीं है। जब से नई आर्थिक नीति आई है बाजार का हमलाकारी रूख आदिवासी समाज पर है। आदिवासियों की विरासतों के साथ ज्यादा खेल किया जा रहा है और यह बताने की कोशिश की जा रही है कि आदिवासी समाज अपनी रक्षा स्वयं नहीं कर सकता। आदिवासी क्षेत्र के संसाधनों को लूटने की नीयत से इतिहास के मिथकों की रचना की जा रही है और आदिवासियों की सामाजिकता को व्यक्तिवाद में बदलने की साजिश की जा रही है। आदिवासी जिस तरह जंगल और जमीन के बिना खानाबदोश हो जाते हैं उसी तरह वह अपने ऐतिहासिक प्रतीकों से कट कर सदा के लिए खत्म हो जाता है। कुल मिलाकर निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि वर्तमान समय में हूल की प्रासंगिकता को समझने की बात करें तो वर्तमान समय में हूल की प्रासंगिकता को समझने से पहले आदिवासी समाज के विकास की उस मूल अवधारणा को समझना होगा जिसमें आदिवासी की रक्षा के लिए सामूहिक संघर्ष की लम्बी परंपरा रही है। आदिवासी अस्मिता और विकास की मूल अवधारणा इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें सांस्कृतिक चेतना के साथ प्रतिरोध का स्वर कितना मुखर व प्रखर रहा है। आदिवासी समाज में सांस्कृतिक चेतना के साथ प्रतिरोध की वह मुखरता व प्रखरता उनके उस स्वायत्तता, स्वशासन और स्वाभिमान के वजूद की रक्षा से जुड़ा है, जिसमें अबुआ दिसोम, अबुआ राज का सपना कभी सिद्धू कान्हू ने देखा था और 1855 के अपने उस संताल हूल के माध्यम से साकार किया था।

गौरतलब है कि अंग्रेज इतिहासकारों ने तो आदिवासी इतिहास की बुनियाद को बदल ही दिया। मानव शास्त्रियों की भी बात करें तो उनके अध्ययन में भी देशज बोध का अभाव रहा है। वर्तमान राजनीतिज्ञ भी अपने सतही इतिहास बोध की वजह से संताल हूल की मूल अवधारणा को समझ नहीं पा रहे हैं। ऐसे में हूल की वर्तमान प्रासंगिकता, आदिवासियों की आदिवासीयत और उसके पीछे के उसकी दार्शनिकता को केवल उसकी मौखिक परंपरा व स्वशासन की देशज ज्ञान परंपरा के आधार पर ही आदिवासी जनतंत्र की निरंतरता को समझा जा सकता है और यह आधे अधूरे सतही देशज ज्ञान से संभव नहीं है। इसके लिए आदिवासीयत बोध व वैज्ञानिक दृष्टिकोण चाहिए, जिसका आज हमारे आधुनिक समाज में ही नहीं बल्कि राजनीतिज्ञों में भी घोर अभाव है।

सम्पर्क : जनमत शोध संस्थान, पुराना दुमका केवट पाड़ा, दुमका (झारखण्ड)
मो. 9110072128

आदिवासी स्वाभिमान और स्वतंत्रता संघर्ष का अमर अध्याय है हूल क्रांति

शहीदों की चिताओ पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का बाकी यही निशां होगा!

संजीव गोड्डा

अंग्रेजी शासन और शोषणकारी महाजनी व्यवस्था के खिलाफ 30 जून 1855 में हुए संताल हूल (विद्रोह) की याद में प्रति वर्ष हूल दिवस मनाया जाता है। जहां हुए इस हूल क्रांति ने

आदिवासियों के संगठित प्रतिरोध का इतिहास रच दिया। इस आंदोलन का नेतृत्व सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू ने अपने भाइयों चांद मुर्मू तथा भैरव मुर्मू के साथ किया था। इस वर्ष भी मंगलवार को साहिबगंज के भोगनाडीह सहित पूरे प्रदेश में हूल दिवस मनाया जाएगा। जहां हूल क्रांति के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

- क्यों मनाते हैं हूल दिवस

हूल संथाली भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है विद्रोह। 30 जून, 1855 को झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के अत?याचार के खिलाफ पहली बार विद्रोह का बिगुल फूंका। इस दिन 400 गांवों के 50000 लोगों ने साहिबगंज के भोगनाडीह गांव पहुंचकर अंग्रेजों से आमने-सामने की जंग का एलान कर दिया। आदिवासी भाइयों सिद्धो-कान्हो और चांद-भैरव के नेतृत्व में तब संथालों ने मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर-शोर से एलान किया। अंग्रेजों ने तब संथाल विद्रोहियों से घबराकर उनका दमन प्रारंभ किया। इसकी प्रतिक्रिया में आदिवासियों ने अंग्रेजी सरकार की ओर से आए जमींदारों और सिपाहियों को मौत के घाट उतार दिया। तब विद्रोहियों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। चांद और भैरव को अंग्रेजों ने मार डाला। इसके बाद सिद्धो और कान्हो को भोगनाडीह में ही पेड़ से लटकाकर 26 जुलाई 1855 को फांसी दे दी गई। संथाल की माटी के इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है।

हूल दिवस पर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई राज्यों में शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। भोगनाडीह सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरी और संगोष्ठियों का आयोजन होता है। इस अवसर पर आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और उनके अधिकारों के संरक्षण का संकल्प भी दोहराया जाता है।

हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संघर्ष, स्वाभिमान तथा सामूहिक एकता का प्रतीक है। सिदो-कान्हू और उनके साथियों का बलिदान आज भी देशवासियों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उनकी वीरगाथा भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगी।

- आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए बना काश्तकारी अधिनियम

जनवरी 1856 में जब हूल क्रांति समाप्त हुआ, तब इस इलाके को समेकित तौर पर संथाल परगना का नाम दिया गया। जिसका मुख्यालय दुमका बनाया गया। हूल क्रांति के 44 साल बाद वर्ष 1900 मे आदिवासियों की जमीन की सुरक्षा के लिए एक बंदोबस्त अधिनियम बनाया। इसमें यह प्रावधान किया गया कि आदिवासी की जमीन, कोई दूसरा आदिवासी ही खरीद सकता है। खरीदने और बेचने वालों के घर एक ही इलाके में होना चाहिए। झारखंड में आदिवासी जमीन का हस्तांतरण आज भी इन शर्तों को पूरा करने के बाद करने का प्रावधान है। 1949 में पारित संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम में 1900 के बंदोबस्ती नियम को जोड़ा गया है, जो आज भी पूरे प्रदेश में लागू है।

- हूल क्रांति की देन है संथाल परगना

हूल क्रांति से पहले यह क्षेत्र काफी दुर्गम-दुरुह था, जहां पहाड़ों और घने जंगलों के कारण दिन में भी आना-जाना आसान नहीं था। यहीं से आदिवासियों ने विद्रोह का बिगुल फूंका था। वर्तमान में संथाल परगना के नाम से जाना जाने वाला यह क्षेत्र पहाड़ की तलहटी में रहने वाले पहाड़िया समुदाय बहुल था। यहां के लोग तब जंगल झाड़?यों को काटकर खेती योग्य बनाते और उसे अपनी जमीन समझते थे। ये लोग अपनी जमीन की मालगुजारी किसी को नहीं देते। जबकि ई?ट इंडिया कंपनी के जमींदार उनसे जबरन लगान वसूली करते थे। पहाड़िया लोगों को सेठ-साहूकार से कर्ज लेना पड़ता था। अत्याचार इस कदर बढ़ गया कि आदिवासियों ने संथाल विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। इस इलाके में रहने वाले आदिवासी समुदाय को संथाल के नाम से जाना जाता है।

संताल हूल की विरासत और समकालीन झारखंड की चुनौतियाँ

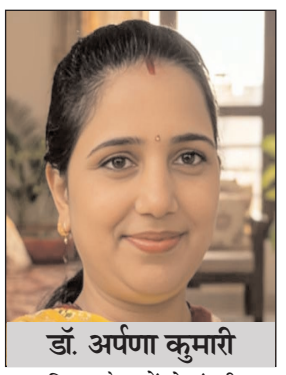

डॉ. अर्पणा कुमारी

इतिहास के पन्नों से गूंजती हूल की आवाज 30 जून 1855 को भोगनाडीह की माटी से फूटा संताल हूल (विद्रोह) महज एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और इंसानी गरिमा की रक्षा के लिए लड़ा गया भारत के जनजातीय समुदाय का पहला जन-आंदोलन था। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के नेतृत्व में उपजा यह विद्रोह ब्रिटिश साम्राज्यवाद, स्थानीय महाजनों और दिकुओं (शोषक बाहरी तत्वों) के क्रूर दमन के खिलाफ एक सामूहिक हुंकार थी। कार्ल मार्क्स ने अपनी पुस्तक नोट्स ऑन इंडियन हिस्ट्री में इसे भारत की पहली जन-क्रांति के रूप में स्वीकार किया।

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में झारखंड, विशेषकर संताल परगना प्रमंडल और इसके हृदय स्थल दुमका जिले की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संरचना का विश्लेषण करते हैं, तो हूल की विरासत और समकालीन चुनौतियों के बीच एक गहरा अंतर्विरोध नजर आता है। एक समाजशास्त्री और महिला दृष्टिकोण से देखने पर यह स्पष्ट होता है कि जिन बुनियादी सवालों जैसे भूमि का अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, स्वायत्तता और शोषण से मुक्ति को लेकर तीर-धनुष उठाए गए थे, वे सवाल आज भी नए रूपों में दुमका और आसपास के क्षेत्रों में मुँह बाए खड़े हैं।

हूल की गौरवशाली विरासत समकालीन झारखंड, विशेषकर संताल परगना की महिलाओं और हाशिए के समाजों के सशक्तीकरण में कहाँ तक फलीभूत हुई है और वर्तमान समय की संरचनात्मक चुनौतियाँ क्या हैं।

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण- ऐतिहासिक गौरव बनाम समकालीन विडंबनाएँ

समाजशास्त्रीय नजरिए से संताल हूल एक समतामूलक समाज की स्थापना का प्रयास था। संताल समाज पारंपरिक रूप से वर्गहीन और जातिहीन रहा है, जहाँ सामूहिक चेतना और सामुदायिक सहभागिता जीवन का मुख्य आधार है। हूल ने इसी सामुदायिक एकजुटता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया था।

1. भूमि संबंधों का विघटन और एसपीटी एक्ट की प्रासंगिकता

हूल के परिणामस्वरूप ही ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा और संताल परगना टेनेंसी एक्ट (SPT Act, 1876) तथा संताल परगना जिले का निर्माण करना पड़ा। यह कानून आदिवासियों की जमीन के गैर-आदिवासियों को हस्तांतरण पर कड़ाई से रोक लगाता है।

परंतु, समकालीन दुमका और संताल परगना के अन्य जिलों (पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, देवघर, जामताड़ा) में समाजशास्त्रीय अध्ययन दर्शाते हैं कि सद्भाव और विकास के नाम पर कानून की आत्मा को लगातार ठेस पहुँचाई जा रही है। शहरीकरण, अवैध खनन (पत्थर और कोयला), और बड़े नीतिगत ढांचागत विकास के कारण आदिवासियों की जमीनें अप्रत्यक्ष रूप से उनके हाथ से निकल रही हैं।

2. विकास का असंतुलित मॉडल और विस्थापन

संताल परगना में कोयला खदानों, ताप विद्युत परियोजनाओं (जैसे गोड्डा या अन्य क्षेत्रों में) और दुमका में बुनियादी ढांचे के विकास ने स्थानीय आबादी को विस्थापित किया है। समाजशास्त्रीय भाषा में इसे ÷विकास जनित विस्थापन कहा जाता है। यह विस्थापन आदिवासियों को उनकी जड़ों से काटकर शहरों की मलिन बस्तियों में दिहाड़ी मजदूर बनने पर मजबूर कर देता है। हूल की विरासत स्वावलंबन की बात करती थी, लेकिन वर्तमान नीतियां उन्हें निर्भरता और लाचारी की ओर धकेल रही हैं।

फूलो-झानो की धरती पर आधी आबादी का यथार्थ

जब हम संताल हूल का इतिहास पढ़ते हैं, तो सिदो-कान्हू के साथ फूलो और झानो का नाम गर्व से लिया जाता है, जिन्होंने अपनी कुल्हाड़ियों से दर्जनों ब्रिटिश सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। यह इस बात का प्रमाण है कि संताल समाज में महिलाएं कभी पर्दे में या पुरुषों से पीछे नहीं रहीं। वे युद्ध के मैदान से लेकर खेतों तक कंधे से कंधा मिलाकर चलती थीं।

लेकिन आज, महिला दृष्टिकोण से संथाल परगना और दुमका जिले की जमीनी हकीकत का विश्लेषण करने पर कई चिंताजनक पहलू सामने आते हैं।

संपत्ति के अधिकार से वंचना और डायन प्रथा का दंश-

संताल समाज पितृसत्तात्मक है। यहाँ महिलाओं को रूढ़िवादी प्रथा के तहत पैतृक संपत्ति या जमीन पर मालिकाना हक नहीं मिलता। उन्हें केवल भरण-पोषण का अधिकार होता है। समाजशास्त्रियों और महिला कार्यकर्ताओं का मानना है कि दुमका और आसपास के ग्रामीण इलाकों में आज भी जारी डायन प्रथा का सीधा संबंध इसी संपत्ति के अधिकार से है। जब कोई संताल महिला विधवा हो जाती है या अकेली रह जाती है, तो उसकी जमीन हड़पने के लिए स्थानीय दबंग, सगे-संबंधी या ओझा मिलकर उसे डायन घोषित कर देते हैं। फूलो-झानो की विरासत वाली इस भूमि पर महिलाओं का इस तरह का अमानवीय उत्पीड़न समकालीन झारखंड के माथे पर सबसे बड़ा कलंक है।

देवघर पहुंचे डॉ. विक्रांत भूरिया कांग्रेस नेताओं ने किया स्वागत

देवघर संताल एक्सप्रेस । भारतीय राष्ट्रीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया मंगलवार को 1855 की प्रथम जनक्रांति संथाल हूल के मुख्य केंद्र भोगनाडीह तथा गोड्डा के पोड़ैयाहाट में आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली से विमान द्वारा देवघर पहुंचे। उनके साथ झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी भी मौजूद थे। देवघर एयरपोर्ट पर झारखंड प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राज उरांव एवं देवघर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेंद्र दास के नेतृत्व में दोनों नेताओं का अंगवस्त्र ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव प्रो. उदय प्रकाश, पीसीसी कोऑर्डिनेटर मुकुन्द दास,कांग्रेस नेता फैयाज केशर,जिला बीस सूत्री सदस्य दिनेश कुमार मंडल,नगर अध्यक्ष रवि केशरी,प्रदेश युवक कांग्रेस के महासचिव आर्कदित्य यादव,छोटू यादव सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। हूल दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के बाद डॉ. विक्रांत भूरिया देवघर लौटकर परिसदन में रात्रि विश्राम करेंगे। बुधवार सुबह वे बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

इनर व्हील क्लब ऑफ देवघर को मिला 'आउटस्टैंडिंग क्लब' का सम्मान

देवघर संताल एक्सप्रेस । इनर व्हील क्लब ऑफ देवघर के लिए यह वर्ष अत्यंत गौरवपूर्ण रहा। रांची स्थित चाणक्य बीएनआर में 28 जून को आयोजित डिस्ट्रिक्ट असेंबली एवं इंस्टॉलेशन समारोह में क्लब के सत्र 2025-26 का सफल समापन हुआ। समारोह में क्लब द्वारा वर्षभर संचालित सामाजिक सेवा एवं जनकल्याणकारी परियोजनाओं को व्यापक सराहना मिली। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ देवघर को प्रतिष्ठित ÷आउटस्टैंडिंग क्लब÷ सम्मान से नवाजा गया। क्लब की अध्यक्ष ज्ञानी मिश्रा को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व एवं सेवा कार्यों के लिए ÷आउटस्टैंडिंग प्रेसिडेंट÷ का सम्मान प्रदान किया गया। वहीं कंचन मूर्ति को ÷एफिशिएंट सेक्रेटरी÷ तथा क्लब की संपादक बेबी रोमा को ÷आउटस्टैंडिंग एडिटर÷ सम्मान से सम्मानित किया गया। क्लब की ओर से संचालित ÷फाइव बेस्ट प्रोजेक्ट÷ को भी उत्कृष्ट सामाजिक योगदान एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ। समारोह में क्लब ने सफलतापूर्वक सत्र 2025-26 का समापन करते हुए नए जोश,नई ऊर्जा और सेवा के संकल्प के साथ सत्र 2026-27 का स्वागत किया। 1 जुलाई से नए सत्र की औपचारिक शुरुआत होगी। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रियंका कुमार ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. ममता किरण को अध्यक्ष पद का बैज पहनाकर पदभार ग्रहण कराया। समारोह में क्लब को बेस्ट अटेंडेंस अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। अध्यक्ष : डॉ. ममता किरण, उपाध्यक्ष : कंचन मूर्ति, सचिवः अर्पणा सिन्हा, कोषाध्यक्षः चंद्र प्रभा दास, आईएसओ :अर्चना सिन्हा, संपादक : सुषमा रानी । क्लब की नई टीम ने समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में और अधिक सक्रियता के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

एम्स देवघर में गर्भाशय कैंसर जागरूकता कार्यक्रम समय पर जांच और उपचार पर दिया गया जोर

देवघर संताल एक्सप्रेस । महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए एम्स देवघर के प्रसूति एवं स्त्री रोग (ओबीजी) विभाग की ओर से गर्भाशय कैंसर (यूटेराइन कैंसर) विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में बायोकेमिस्ट्री विभाग की डीन डॉ. वनीता लाल एवं जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष सह चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने गर्भाशय कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और उपचार के महत्व पर अपने विचार साझा किए। ओबीजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका राय ने महिलाओं को नियमित स्क्रीनिंग की आवश्यकता बताते हुए कहा कि एम्स देवघर में गर्भाशय कैंसर की जांच, परामर्श एवं उपचार की समुचित सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने महिलाओं से किसी भी प्रकार के लक्षणों की अनदेखी न करने और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान गर्भाशय कैंसर जागरूकता पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया गया तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर ओबीजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वाति प्रिया, डॉ. विनीता सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

मधुपुर कॉलेज में मनाया गया हूल दिवस

मधुपुर । महाविद्यालय, मधुपुर में सोमवार को हूल दिवस श्रद्धा,सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. रत्नाकर भारती के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में संताल हूल के महानायक वीर सिदो-कान्हू के अद्वितीय बलिदान और आदिवासी समाज के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के सामूहिक गायन से हुआ। इसके बाद वीर सिदो-कान्हू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सभागार में हूल दिवस के महत्व पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने इस ऐतिहासिक आंदोलन के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर विस्तार से अपने विचार रखे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रभारी प्राचार्य डॉ. रत्नाकर भारती ने कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू और उनके साथियों ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी समाज को समानता, न्याय और स्वाभिमान का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से महान स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। सामाजिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री अनुपलाल सोरेन ने हूल आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1855 का संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रारंभिक और महत्वपूर्ण जनआंदोलनों में से एक था। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक रंजीत कुमार प्रसाद,आशुतोष कुमार,डॉ. मनीषा कुमारी, उमेश कुमार, शिक्षकेत्तर कर्मचारी आशुतोष लाला,शिकंदर यादव, बच्चू राय, प्रियतोष लाला, कैलाश,अंशु श्रीवास्तव, मुकेश कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

हूल दिवस संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक : हफीजुल

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

मधुपुर । हूल दिवस के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महुआडाबर और पथरचपटी स्थित सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर सूबे के अल्पसंख्यक कल्याण एवं जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने महान आदिवासी वीरों के अमर बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर मंत्री अंसारी ने कहा कि हूल दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और दमनकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष 30 जून को मनाया जाने वाला यह दिन भारतीय इतिहास के उन स्वर्णिम अध्यायों की याद दिलाता है, जब वर्ष 1855 में सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो के नेतृत्व में साहिबगंज के भोगनाडीह से अंग्रेजी शासन, महाजनी प्रथा और अन्यायपूर्ण बंदोबस्ती नीति के खिलाफ ऐतिहासिक जनविद्रोह का शंखनाद किया गया था। मंत्री ने बताया कि लगभग 50 हजार आदिवासियों ने एकजुट होकर अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की थी। संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि वह जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई थी। इस आंदोलन ने अंग्रेजी शासन की नींव को हिलाकर रख दिया था और देश के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने का कार्य किया था।

मंत्री ने कहा कि सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो का त्याग और बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इन महान वीरों ने समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने, अपने अधिकारों की रक्षा करने और एकजुट होकर समाज निर्माण की सीख दी है। कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी उनके आदर्शों व पदचिह्नों पर चलते हुए सामाजिक एकता, भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत करें। शोषण, अन्याय और असमानता के खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प लें। हूल दिवस हमें अपने इतिहास, संस्कृति और वीर शहीदों के संघर्ष को स्मरण करने और उनसे प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर समाजकर्मी घनश्याम, जिला सचिव दिनेश्वर किस्कु, केंद्रीय समिति सदस्य प्रकाश मंडल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अबू तालिब अंसारी, नगर अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन, शमीम, कुंदन भगत, सोनेलाल हांसदा, रामू मरांडी, समीर आलम, धीरज यादव, मोहम्मद ताजुद्दीन, शाहिद उर्फ फेकू, जुगल यादव, अमित चंद्रवंशी गंगा दास सरफराज अहमद दानिश इकबाल शहनाज़ सहित अनेक सम्मानित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने महान आदिवासी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हूल दिवस पर बदलाडीह में सिदो-कान्हू को कांग्रेस और इंटक नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर । दिवस के अवसर पर देवघर प्रखंड के बदलाडीह स्थित अमर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर झारखंड प्रदेश इंटक के प्रदेश सचिव अजय कुमार,देवघर जिला इंटक के जिला अध्यक्ष अनंत मिश्रा,जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रमिला देवी,कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष नित्यानंद सेवक सहित कांग्रेस एवं इंटक के नेताओं ने माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अजय कुमार ने कहा कि हूल दिवस झारखंड के इतिहास की अमर क्रांति का प्रतीक है। सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव सहित हजारों वीरों ने

जल,जंगल,जमीन तथा महाजनों और अंग्रेजी शासन के शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने कहा कि इन महान बलिदानियों की शहादत को इतिहास में उचित सम्मान और स्थान मिलना चाहिए। देवघर जिला इंटक के अध्यक्ष अनंत मिश्रा ने कहा कि सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव चारों भाइयों ने हूल क्रांति का नेतृत्व कर अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। उनका संघर्ष भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणादायक गाथा है, जिसे सदैव याद रखा जाएगा।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में तुलसी पोद्दार,विष्णु हेंब्रम,शिवनाथ मुर्मू,अनिल पंडित,मनोरंजन सिंह,संगीता शर्मा,अभिषेक सिंह,आशीष कुमार सहित अनेक कांग्रेस एवं इंटक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू 29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

कोई भी पात्र मतदाता न छूटे, इस पर रहेगा विशेष जोर

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर । जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की शुरुआत सोमवार से हो गई। इस अभियान के तहत सभी मतदान केंद्रों के बूथ लेवल अधिकारी 29 जुलाई तक घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म की दो प्रतियां उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को इनमें से एक प्रति भरकर बीएलओ को देनी होगी, जबकि दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास रखनी होगी। जिन मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म जमा होंगे, उनका नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि बीएलओ के घर पहुंचने पर उन्हें परिवार से संबंधित सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि मतदाता चाहें तो वोटर हेल्पलाइन ऐप या राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी या शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर चला जागरूकता अभियान

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर जिले में सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक #JharkhandSIR अभियान संचालित किया गया। इस डिजिटल अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों, विशेषकर युवाओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रति जागरूक करना और सभी पात्र मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना था। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहयोग करने और समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अपील की है।

एसआईआर को लेकर बीएलओ ने दी जानकारी

मधुपुर । शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या-8 स्थित चांदमारी हरिजन कॉलोनी में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) एवं वार्ड पार्षद शकीला खातून की उपस्थिति में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान बीएलओ ने उपस्थित लोगों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के उद्देश्य, प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं जिन मतदाताओं के नाम, पता अथवा अन्य विवरण में त्रुटि है, वे भी आवश्यक दस्तावेजों के साथ सुधार करा सकते हैं।वार्ड पार्षद शकीला खातून ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नागरिकों ने भी भाग लिया और मतदाता सूची से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। बीएलओ ने लोगों को समय सीमा के भीतर आवश्यक प्रपत्र भरकर जमा करने तथा विशेष पुनरीक्षण अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाने की सलाह दी।

डीसी ने हूल दिवस पर अमर शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर। हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने अपने गोपनीय कार्यालय में अमर शहीद सिदो-कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने हूल विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम का गौरवशाली अध्याय है। इसमें आदिवासी वीरों और वीरांगनाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्रप्रेम और साहस का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित अनेक वीर सेनानियों का त्याग, साहस और नेतृत्व

आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए सभी को सामाजिक समरसता, न्याय और समानता की भावना के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि हूल दिवस हमें हमेशा यह याद दिलाता है कि झारखंड के असंख्य वीरों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। उनका सर्वोच्च बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

देवघर। रिखिया थाना क्षेत्र के जरुआडीह गांव स्थित एक नवनिर्मित मकान में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री होने की गुप्त सूचना पर पुलिस ने सोमवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों के पास से 3.35 ग्राम ब्राउन शुगर और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में

भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 30 जून को सूचना मिली थी कि जरुआडीह गांव के एक नए बने मकान में कुछ लोग ब्राउन शुगर का कारोबार कर रहे हैं।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) श्री चंद्रशेखर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर ब्राउन शुगर की बिक्री करने पहुंचे दो युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहनपुर थाना क्षेत्र के कटवन निवासी एवं वर्तमान में रिखिया थाना क्षेत्र के पुराना चितकाठ निवासी 20 वर्षीय पवन कुमार तथा रिखिया थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी 19 वर्षीय सोनू कुमार माहथा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने दोनों के पास से पुड़िया सहित 3.35 ग्राम ब्राउन शुगर और दो मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने जब्त सामान को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मधुपुर थाना को मिले नए थाना प्रभारी

मधुपुर । मधुपुर थाना में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी के रूप में राजीव कुमार ने मंगलवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता से कार्यभार संभाला। इस अवसर पर थाना परिसर में एक सादे समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में थाना प्रभारी राजीव कुमार ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता मधुपुर में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना,अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा आम जनता के साथ बेहतर समन्वय कायम करना होगा।उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को न्याय, सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने आम जनता से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। क्षेत्र में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। राजीव कुमार ने कहा कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार लाने के लिए भी ठोस कदम उठाए जाएंगे। साथ ही पुलिस टीम आपसी समन्वय और बेहतर कार्य संस्कृति के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी।इस अवसर पर थाना के एसआई, एएसआई, मुंशी, चौकीदार सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने नए थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शाहपुर के बिलौटी गांव पहुंचकर भूषण तिवारी को दी श्रद्धांजलि, न्याय की मांग हुई तेज

देवघर संताल एक्सप्रेस । शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में 17 जून को पुलिस मुठभेड़ में मारे गए भारत भूषण तिवारी की तेरहवीं के अवसर पर विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में लोग उनके पैतृक गांव पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने भारत भूषण तिवारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके माता-पिता से मुलाकात की तथा उनका आशीर्वाद लिया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने भारत भूषण तिवारी की मौत की निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग उठाई। उनका कहना था कि यदि उन्होंने हथियार डाल दिए थे, तो उन्हें गोली क्यों मारी गई। इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उस स्थान का भी दौरा किया गया, जहां पुलिस मुठभेड़ हुई थी। स्थानीय लोगों ने वहां भारत भूषण तिवारी की स्मृति में मंदिर निर्माण का संकल्प लिया है। श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार ईंट रख रहे हैं, दीप जला रहे हैं, अगरबत्ती अर्पित कर रहे हैं, फूल चढ़ा रहे हैं तथा पताका फहरा रहे हैं। देवघर से पहुंचे प्रतिनिधि ने भी मंदिर निर्माण के लिए एक ईंट अर्पित की। इस अवसर पर अलका सोनी, संध्या कुमारी, प्रणव मित्रा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने न्याय की मांग को दोहराया।

52,605 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

मधुपुर । अनुमंडल क्षेत्र में तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने निर्धारित लक्ष्य का शत-प्रतिशत हासिल करते हुए 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 52,605 बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा पिलाई। अभियान की सफलता पर अस्पताल प्रशासन ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और सहयोगी कर्मियों को बधाई दी। अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. मोहम्मद शाहिद ने बताया कि अभियान 28 जून से 30 जून तक चलाया गया। पहले दिन शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों और अन्य निर्धारित 236 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। इनमें 51 बूथ शहरी क्षेत्र तथा 185 बूथ ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित किए गए थे। उन्होंने बताया कि अभियान के दूसरे और तीसरे दिन यानी 29 एवं 30 जून को पोलियो टीमों ने घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाई। इस दौरान 28,865 घरों तक पहुंचकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित न रह जाए। अभियान की निगरानी के लिए कुल 45 सुपरवाइजर तैनात किए गए थे, जिनमें 11 शहरी और 34 ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त थे। वहीं 370 वैक्सीनेटर एवं पोलियो कर्मियों ने बूथ संचालन और घर-घर जाकर दवा पिलाने की जिम्मेदारी निभाई। अभियान के दौरान जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. मनोज गुप्ता ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न पोलियो बूथों और डिपो होल्डरों का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए स्वास्थ्यकर्मियों के कार्य पर संतोष व्यक्त किया तथा अभियान को सफल बनाने में उनकी भूमिका की सराहना की।

घरेलू विवाद में पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला

देवघर। सोनारायथाठी थाना क्षेत्र के एक गांव में घरेलू विवाद ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। घायल रंजू देवी को परिजनों की मदद से इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल लाया गया। यहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें वार्ड में भर्ती कर लिया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। परिजनों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच काफी समय से घरेलू विवाद चल रहा था। घटना के दौरान जेठानी सुनीता देवी बीच-बचाव करने पहुंचीं। आरोप है कि इसी दौरान पति ने कुल्हाड़ी से रंजू देवी पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। बीच-बचाव करने पर सुनीता देवी के साथ भी मारपीट की गई, जिससे उनका हाथ टूट गया। परिजनों के अनुसार, शोर सुनकर गोविंद समेत गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। वहां रंजू देवी खून से लथपथ पड़ी थीं और उनके बाएं हाथ की एक उंगली कटकर अलग हो गई थी। इसके बाद तत्काल घटना की सूचना सोनारायथाठी थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर थाना ले गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, देवघर सदर अस्पताल में रंजू देवी का इलाज जारी है और उनकी हालत पर चिकित्सकों की लगातार नजर बनी हुई है।

जियो फाइबर की खुदाई से टूटी पानी की पाइपलाइन, कई इलाकों में जलापूर्ति ठप

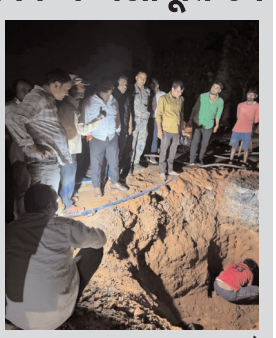

देवघर। नगर निगम क्षेत्र में जियो फाइबर की केबल बिछाने के दौरान कई मुख्य और सहायक पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पाइपलाइन टूटने से शहर के कई इलाकों में पिछले कुछ दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। इससे लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जलापूर्ति प्रभावित होने की जानकारी मिलने पर मेयर रवि कुमार राउत ने प्रभावित स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर चल रहे मरम्मत कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों तथा संबंधित एजेंसी को जल्द से जल्द काम पूरा करने का निर्देश दिया। मेयर ने बताया कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत के लिए नगर निगम के कर्मी और संवेदक लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने तकनीकी टीम और संवेदक को अतिरिक्त मजदूर लगाकर युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि शहर में जल्द से जल्द स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बहाल की जा सके। उन्होंने दूरसंचार कंपनी और खुदाई कार्य करा रहे संवेदकों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में खुदाई के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों, खासकर भूमिगत पेयजल पाइपलाइनों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले नगर निगम के जल कार्य विभाग से समन्वय करना जरूरी है, ताकि ऐसी स्थिति दोबारा न बने। मेयर ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से कुछ समय तक धैर्य बनाए रखने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर निगम प्रशासन जलापूर्ति जल्द सामान्य करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

हूल दिवस पर लिट्टीपाड़ा में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को लिट्टीपाड़ा चौक स्थित वीर शहीद सिद्धू-कान्हू एवं तिलका मांझी की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सह भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दिनेश विलियम मरांडी ने शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संजय कुमार, भाजपा के नेताओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा स्थानीय गणमान्य लोगों ने भी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हूल क्रांति के महानायक सिद्धू-कान्हू और तिलका मांझी ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर स्वतंत्रता की अलख जगाई। उनका साहस, त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।मौके पर उपस्थित लोगों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने तथा समाज में एकता, भाईचारे और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में भाजपा के कई नेता, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सिदो-कान्हू सहित वीर शहीदों को किया नमन

पाकुड़। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू के नेतृत्व में पाकुड़ नगर स्थित सिदो-कान्हू मुर्मू पार्क पहुंचकर अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद, भैरव तथा फूलो-झानो की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, जिला प्रभारी निवास मंडल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि 30 जून 1855 को संथाल हूल क्रांति का शुभारंभ हुआ था। उस समय जब अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाना आसान नहीं था, तब अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद, भैरव और फूलो-झानो जैसे वीर नायकों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के साहस, त्याग और बलिदान को नमन कर रहा है।कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत, उपाध्यक्ष हिसाबी राय, सोहन मंडल, साधन ठाकुर, अनुग्राहित प्रसाद साह, मीरा, प्रवीण सिंह, विवेकानंद तिवारी, अमृत पांडेय, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जन्म प्रमाण पत्र के लिए पंचायत सचिव के पैरों में गिरा युवक, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

संताल एक्सप्रेस पाकुड़। जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक अपने भतीजे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की गुहार लगाते हुए पंचायत सचिव के पैरों में गिरता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।जानकारी के अनुसार लिट्टीपाड़ा प्रखंड के जामजोरी पंचायत निवासी दिनेश टुडू का आरोप है कि वह पिछले तीन महीने से अपने भतीजे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पंचायत कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि बार-बार आवेदन देने के बावजूद प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया और उन्हें लगातार दौड़ाया जाता रहा।बताया जाता है कि दिनेश टुडू लिट्टीपाड़ा प्रखंड कार्यालय पहुंचे। वहां पंचायत सचिव को देखते ही वह भावुक हो गए और उनके पैरों में गिरकर जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की गुहार लगाने लगे। इस दौरान कार्यालय परिसर में मौजूद किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में युवक को रोते-बिलखते हुए पंचायत सचिव से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की अपील करते देखा जा सकता है। वीडियो के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है और दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग उठने लगी है।मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया, जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रतिक्रिया देते हुए पाकुड़ के उपायुक्त को मामले की शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।हालांकि, वायरल वीडियो और सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासनिक जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

जिला क्रिकेट संघ ने मनाया हूल दिवस

संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज-हूल दिवस के अवसर पर जिला क्रिकेट संघ ने मंगलवार को सिदो-कान्हू स्टेडियम में वीर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने किया. अतिथि के रूप में मौजूद जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने कहा कि वीर सिदो-कान्हू की शहादत हमें लगातार संघर्ष करते रहने की प्रेरणा देती है. मौके पर सुरेश साह, सतीश सिन्हा, मो अनाउल्लाह सहित अन्य मौजूद थे.

वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि,आदिवासी संगठनों और राजनीतिक दलों ने निकले जुलूस

संताल एक्सप्रेस पाकुड़। जिले भर में मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के सिद्धो-कान्हू मुर्मू पार्क में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां वीर शहीद सिद्धो-कान्हू एवं चांद-भैरव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों, आदिवासी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं तथा बड़ी संख्या में आम लोगों ने भाग लिया। सभी ने सिद्धो-कान्हू और चांद-भैरव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल, सहित अन्य अधिकारियों और झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।हूल दिवस के अवसर पर शहर में विभिन्न आदिवासी संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से भव्य शोभायात्रा एवं जुलूस निकाले गए। जुलूस में सिद्धो-कान्हू और चांद-भैरव की आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। पारंपरिक वेशभूषा में सजे आदिवासी युवक-युवतियों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया। पूरे मार्ग में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और जोशीले नारों से वातावरण गूंजता रहा।कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर हूल क्रांति के इतिहास और शहीदों के योगदान को याद किया।इस अवसर पर लोगों ने सिद्धो-कान्हू पार्क परिसर स्थित ऐतिहासिक मिटिलो टावर का भी भ्रमण किया। हूल दिवस से जुड़े इस ऐतिहासिक स्थल को देखने के लिए लोगों में विशेष उत्साह देखा गया।वहीं महेशपुर, अमड़ापाड़ा, लिट्टीपाड़ा, हिरणपुर, पाकुड़िया प्रखंडो और ग्रामीण क्षेत्रों में भी हूल दिवस पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और आदिवासी संगठनों द्वारा सिद्धो-कान्हू एवं चांद-भैरव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।गौरतलब है कि संथाल परगना प्रमंडल में प्रत्येक वर्ष 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है।

सिदो-कान्हू के वंशजों ने वीर शहीदों की प्रतिमा पर पारंपरिक तरीके से की विधिवत पूजन

संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज - हुल दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में पारंपरिक ढोल के साथ सिदो कान्हु के वंशज परिवार व ग्रामीण घर से सिदो कान्हु पार्क पहुंचकर संताल हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिदो ,कान्हु ,चांद, भैरव ,फूलों व झानो की प्रतिमा पर पारंपरिक तरीके से विधिवत पूजन व माल्यार्पण करके नमन किया.वर्षों से चली आ रही परम्परा वंशज परिवार पहले सिदो कान्हु, चांद, भैरव, फूलों व झानो के प्रतिमा पर पारंपरिक तरीके से विधिवत पूजन माल्यार्पण करते है. उसके बाद ही आम जन पूजन माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित करके नमन करते हैं.

आदिवासी जागरण समिति ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण की परिचर्चा

साहिबगंज -हुल दिवस के अवसर पर आदिवासी जागरण समिति की ओर से मानुएल मुर्मू के नेतृत्व में आदिवासी जागरण समिति के सभी सदस्यों के द्वारा साहिबगंज के सिदो कान्हू स्टेडियम पहुंचकर सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया. इसके पश्चात जागरण समिति के सभी सदस्य शहीद ग्राम भोगनाडीह पहुंचकर सिदो कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए शहीद सिदो, कान्हू, चांद, भैरव सहित संताल हुल के दौरान प्राण न्योछावर करनेवाले सभी पूर्वजों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया.इसके अलावे साहिबगंज से भोगनाडीह जाने के क्रम में रास्ते पर स्थापित सभी प्रतिमा यथा हरिनचरा मोड़, बरहेट के तीन मुहाने मोड़ पर भी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया. सभी सदस्य गोटा भारत सिदो कान्हू हुल वैसी द्वारा संत जेवियर, भोगनाडीह में आयोजित अधिनियम/ संताल हूल के संदर्भ में आयोजित परिचर्चा में भाग लिए.आदिवासी जागरण समिति के आज के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष मनवेल मुर्मू के अलावे प्रधान किस्कू, , मथियस बेसरा सहित अन्य सदस्य शामिल थे.

एसआईआर को लेकर कई बूथों का निरीक्षण

राजमहल- एसआईआर को लेकर मंगलवार को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने राजमहल विधानसभा क्षेत्र के कई बूथों का निरीक्षण किया. मिली जानकारी के अनुसार राजमहल विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 193, 194, 198 सहित अन्य बूतों का भी निरीक्षण किया गया. एवं बूथों पर मौजूद बीएलओ एवं बीएलए 2 को कई दिशा निर्देश दिया गया. इस संबंध में एसडीओ ने बताया कि एसआईआर अभियान के तहत् 30 जून से 29 जुलाई तक गणना प्रपत्र प्रत्येक मतदाता को 2 सेट में बीएलओ द्वारा दिया जाएगा. जिसे भर कर 1 प्रति बीएलओ को वापस करना है एवं एक अपने पास सुरक्षित रखना है. एसआईआई अभियान के दौरान कोई भी वैद्य मतदाता छूटे नहीं और कोई भी गलत मतदाता जुटे नहीं इसी उद्देश्य को लेकर बीएलओ घर घर जाएगी और प्रत्येक मतदाता से गणना प्रपत्र भरवाएंगी.

जेजेए ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, पत्रकार एकता और संगठन की मजबूती पर हुआ मंथन

साहिबगंज-हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) की साहिबगंज जिला इकाई ने वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव एवं फूलो-झानो को श्रद्धापूर्वक नमन किया. सिदो-कान्हू स्टेडियम स्थित उनकी प्रतिमा पर जिला अध्यक्ष चंदन सिंह के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की.इस अवसर पर आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा, समाचार संकलन के दौरान आने वाली चुनौतियों, पत्रकारों के साथ होने वाले अन्याय, प्रशासन व जनता के बीच समन्वय तथा पत्रकारों में आपसी एकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई.जेजेए जिला अध्यक्ष चंदन सिंह ने कहा कि वीर शहीदों की शहादत हमें अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने की प्रेरणा देती है. उन्होंने कहा कि झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकारों के हितों, सम्मान और सुरक्षा के लिए चट्टानी एकता के साथ कार्य कर रहा है तथा संगठन की पहचान आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक स्थापित हो चुकी है.।आलम, कोषाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर, डिजिटल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रवीण कुमार, सदर प्रखंड सचिव अरविंद यादव, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पाठक, नवीन कुमार, प्रशांत कुमार, मनीष कुमार, सुमन झा, सहेन्द्र कुमार, अफसर अली सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य उपस्थित थे. कार्यक्रम के अंत में सभी ने हूल क्रांति के अमर शहीदों के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा समाज और लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

डीईओ डॉ. दुर्गानंद झा को दी गई विदाई

संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज- जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुर्गानंद झा के सेवा काल पूर्ण होने पर मंगलवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने डीईओ डॉ झा के योगदान की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी.वक्ताओं ने कहा कि डॉ. झा ने अपने कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता कायम रखने तथा शिक्षकों व विद्यालयों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. विभाग की ओर से उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया.झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने भी डॉ. झा को फूलमाला, अंगवस्त्र, श्रीमद्भगवद्गीता एवं स्मृति-उपहार देकर सम्मानित किया. शिक्षक प्रतिनिधियों ने कहा कि वे हमेशा शिक्षकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते थे और किसी भी फाइल को लंबित नहीं रहने देते थे.

हूल दिवस पर मिस्त्री सोरेन ने शहीदों को किया नमन

पाकुड़िया। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन ने पाकुड़िया स्थित सिदो-कान्हू मोड़ पहुंचकर अमर शहीद सिदो एवं कान्हू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हूल दिवस उन महान वीर योद्धाओं के त्याग, साहस और बलिदान को याद करने का दिन है, जिन्होंने शोषण, अन्याय और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका था। उन्होंने कहा कि सिदो, कान्हू, चांद और भैरव के नेतृत्व में हुआ हूल आंदोलन आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ लड़ने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है।मिस्त्री सोरेन ने कहा कि हूल आंदोलन आगे चलकर एक बड़े जनआंदोलन का रूप बना और इसने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने लोगों से शहीदों के आदर्शों पर चलने और समाज में एकता, न्याय एवं समानता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

जंगली काली की वार्षिक पूजा महोत्सव आयोजित

मंडरो- झारखंड बिहार सीमा पर अवस्थित शाहाबाद ग्राम में मंगलवार को जंगली काली की वार्षिक पूजा महोत्सव वैदिक विधि विधान एवं धार्मिक परंपरा के अनुसार आयोजित की गई. माता जंगली काली पूजा महोत्सव के पुजारी प्रभु महतो ने बताया कि पूर्वजों ने बताया करते थे कि सैकड़ों वर्ष पूर्व खेती करने के लिए जंगल झाड़ी साफ किया जा रहा था.उसी क्रम में विशाल सिहोड़ पेड़ के नीचे मां काली की पिंड दिखाई दी. ग्रामीणों ने देखा और मां काली की पूजा अर्चना प्रारंभ किया गया.

हूल क्रांति के अमर सेनानियों को अभाविप ने दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर द्वारा हूल दिवस के अवसर पर सिद्धो-कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में हूल क्रांति के अमर नायक वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव एवं फूलो-झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम की अध्यक्षता अभाविप साहिबगंज नगर मंत्री चंदन कुमार ने की. इस अवसर पर मुख्य रूप से अभाविप की प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह एवं प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह उपस्थित रहे.इस अवसर पर नगर मंत्री चंदन कुमार ने कहा कि हूल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम संगठित जनआंदोलनों में से एक था. जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव को चुनौती दी. वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव एवं फूलो-झानो का त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है. प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं बल्कि अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय स्वाभिमान को याद करने का अवसर है. उन्होंने कहा कि अभाविप निरंतर युवाओं के बीच राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय चेतना के मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रही है तथा हूल क्रांति के अमर सेनानियों के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है.प्रदेश छात्रा प्रमुख निधि सिंह ने कहा कि सिदो-कान्हू एवं उनके साथियों का बलिदान हमें अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है।

विद्यालय में मनाया गया हूल दिवस

साहिबगंज -पीटीजी आवासीय प्राथमिक विद्यालय करम पहाड़ साहिबगंज में मंगलवार को हूल दिवस मनाया गया. हूल दिवस के मौके पर प्रधानाध्यापक घनश्याम यादव ने कहा कि आजादी की पहली जनक्रांति 1855 ईस्वी की संथाल विद्रोह इसी साहिबगंज के बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह शुरू हुआ था. इस आंदोलन में शामिल क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों , साहूकारों और जमींदारों की नींद उड़ा दी थी. धीरे धीरे यह बहुत बड़ा आंदोलन का रूप ले लिया था.अपने हक अधिकार से संबंधित जल ,जंगल ,जमीन हमारा है, अंग्रेजों भारत छोड़ो जैसे अहम नारे ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंक दिया था.

सिदो-कान्हू को अपना नेता मानकर शोषण के विरुद्ध हर बातों को आमलोग आंदोलन के माध्यम से अंग्रेजो से लोहा लेने लगे.कार्यक्रम में

जैप-9 में तीन अधिकारियों को दी गई विदाई

संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज- झारखंड सशस्त्र पुलिस जैप-9 साहिबगंज में मंगलवार को समादेष्टा रेशमा रमिशन की अध्यक्षता में विदाई समारोह आयोजित किया गया.कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कुमार सवैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए.जबकि संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया.इस अवसर पर निरीक्षक प्रभु प्रसाद,अवर निरीक्षक भगवान मांझी एवं अवर निरीक्षक नसरुद्दीन को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई.अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.मौके पर सत्येंद्र पासवान,भरत यादव,संजय यादव,अमित पासवान,धनंजय सिंह,मुन्ना सिंह,कबीर खान,पवन शाह,पंकज ठाकुर,सुबोध ठाकुर,धर्मेंद्र कुमार रजक,रविंद्र विद्या,झारखंड पुलिस एसोसिएशन,पुलिस मेंस एसोसिएशन,चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित वाहिनी के अधिकारी, पुलिसकर्मी एवं कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

खिलाड़ियों ने किया सिदो-कान्हू को नमन

संताल एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज - 30 जून हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को साहिबगंज जिला मुख्यालय स्थित सिदो कान्हु स्टेडियम में आवासीय बालक एवं डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स, खेलो इंडिया कुश्ती बालक एवं बालिका एवं फिजिकल अकादमी, साहिबगंज के प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों ने सिदो कान्हु को पुष्प माला पहनाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

हूल दिवस पर विधायक ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संताल एक्सप्रेस संवाददातापाकुड़। हूल दिवस के अवसर पर लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ युवा नेता सह केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू भी मौजूद रहे।विधायक ने अमड़ापाड़ा प्रखंड के कालाझोर, पाडेरकोला चौक, प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित हेरिटेज मेमोरियल तथा गोपीकांदर प्रखंड के गुम्मा मोड़ पहुंचकर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो समेत अन्य अमर सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान पूर्व जिला सचिव सुलेमान बास्की, केंद्रीय समिति सदस्य निशा शबनम हांसदा, महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुष्मिता मुर्मू सहित अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भी शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि हूल क्रांति भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष तथा जनप्रतिरोध का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी क्रांतिकारियों का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने किया माल्यार्पण

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

राजमहल- हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को नगर पंचायत क्षेत्र के अनुमंडल आवास के सामने वीर शहीद सिदो कान्हू के प्रतिमा पर अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो के नेतृत्व में माल्यार्पण कर नमन किया गया. इस दौरान भूमी सुधार उप समाहर्ता विमल सोरेन, अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ, कार्यपालक पदाधिकारी मोहम्मद दानिश हुसैन, अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू, नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, नगर पंचायत उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू सहित अन्य ने माल्यार्पण कर नमन किया गया. अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने वीर शहीद सिदो कान्हू की जीवनी पर प्रकाश डाले कि किस प्रकार अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी गई. मौके पर प्रखंड कोऑर्डिनेटर अभिजीत कुमार, नगर पंचायत प्रबंधक जितेश कुमार चौधरी, नगर पंचायत प्रधान लिपिक दिनेश मंडल, वार्ड सदस्य उज्जवल हलदार, राजकुमार मंडल सहित अन्य उपस्थित थे.

आजसू नेता ने किया सिदो-कान्हू को नमन

साहिबगंज- हूल दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सिदो-कान्हू स्टेडियम स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संताल हूल के महानायक सिद्धो-कानू के संघर्ष, बलिदान और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया.कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया. इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने कहा कि सिदो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों को संगठित कर अन्याय और शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया था. उनका बलिदान आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है. मौके पर आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय, जिला सचिव विभाग कुमार शाह, नगर अध्यक्ष गोविंद कुमार पासवान, नगर सचिव मंगल सिंह यादव ,परमेश कुमार सिन्हा ,विनोद कुमार सिन्हा ,सोनू कुमार मिश्रा, राजेश राय ,साहेबगंज प्रखंड अध्यक्ष शशिकांत दूबे, कमलेश कुमार सिन्हा, पप्पू रजक, यशवर्धन पांडे, टिंकू कुमार मौजूद थे.

लोन का किस्त भरने के लिए दी जेल भेजने की धमकी, काट ली हाथ का नस

राजमहल- लोन रिकवरी के लिए कथित युवक गौरव कुमार के द्वारा फोन कर गाली देने, मैसेज करने, जेल भेजने की धमकी देने से परेशान होकर एक सरकारी विभाग के कर्मचारी ने आत्महत्या करने के उद्देश्य से अपना हाथ का नस काट लिया. और कई घंटे तक उनकी हाथो से ब्लड बहता रहा. मामले की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना के एसआई नारद गहलौत, एसआई महेंद्र कुमार ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया. जहां उनका इलाज चल रहा है. मिली जानकारी के पिड़ित कर्मचारी तीनपहाड़ में पशुपालन विभाग के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी मो महमूद है. जो साहिबगंज के हबीबपुर मुहल्ला का निवासी है. दरअसल यह मामला साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र का है. जहां दलालों के चक्कर में पड़कर पशुपालन विभाग के चतुर्थ वर्गीय कर्मी ने यूनियन बैंक से 8.75 लाख रूपया लोन ले लिया था. परिजनो के अनुसार लोन का इएमआई भरने के लिए कथित युवक गौरव कुमार उक्त कर्मचारी पर जेल भेजने की धमकी दे रहा था. हालांकि तीनपहाड़

एसआईआर को लेकर की बैठक

राजमहल-राजमहल अनुमंडल कार्यालय में मंगलवार को एसआईआर 2026 की पूर्ण तैयारी को लेकर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो की अध्यक्षता में सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई. बैठक में सभी पार्टियों के नगर अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे. इस संबंध में राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर बीएलओ के साथ सभी पार्टियों के बीएलए 2 मिलकर काम करेंगे. एवं गणना प्रपत्र दो प्रति में भरेंगे. एक प्रति बीएलओ को जमा देना है एवं दूसरे प्रति मतदाता अपने पास रखेंगे. मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी गलत मतदाता शामिल नहीं हो. मौके पर दीपक चन्द्रवंशी, काजू मलिक, चिरंजीव सरकार, श्याम सुंदर पोद्दार, इन्द्रदेव राय, मो मुर्शिद राजा, चंदन श्रीवास्तव, असुर रहमान, मो शिफरान अख्तर, देवेंद्र ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे.

तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन, वीर दिशोम अमड़ापाड़ा बनी विजेता

संताल एक्सप्रेस संवाददातामहेशपुर (पाकुड़)। हूल दिवस के अवसर पर रोलाग्राम पंचायत स्थित सिद्धो-कान्हु क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मंगलवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह में झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई।मैच शुरू होने से पहले उपासना मरांडी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और फुटबॉल उछालकर फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया। इससे पूर्व उन्होंने रोलाग्राम चौक स्थित सिद्धो-कान्हु की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। क्लब के सदस्यों ने ढोल, नगाड़ा और मांदर की थाप के साथ उनका पारंपरिक स्वागत किया।फाइनल मुकाबला वीर दिशोम अमड़ापाड़ा और जोहार झारखंड टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में वीर दिशोम अमड़ापाड़ा ने 2-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को 80 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 60 हजार रुपये की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

हावड़ा-नटेसर-हावड़ा
श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन

श्रावणी मेला ओ़कते सांगारिया़कोवाक़् बा़ड़ती भीड़ सामबड़ाव ला़गित् **03001/03002 हावड़ा-नटेसर.-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन** लातार रे ओ़ल आकान खाटो़ सोमो़य-सारणी तेंगोन, सांगार ता़रिक आर गो़ठो़नको लेकाते चालावक़्आः

हावड़ा-नटेसर स्पेशल			(03001) (03002)	नटेसर-हावड़ा स्पेशल		
दिन	सेटेरो़क़्आ	लाड़ा़क़्आ	स्टेशन	सेटेरो़क़्आ	लाड़ा़क़्आ	दिन
सिंगेमाहां बालेमाहां जा़रूममाहां	–	23.50	↓ हावड़ा	04.30	–	सिंगेमाहां सा़रदीमाहां बालेमाहां
ओ़तेमाहां सा़गुनमाहां जुहुममाहां	01.50	01.52	बर्द्धमान	02.12	02.14	
	03.33	03.38	आसनसोल	00.05	00.10	
	05.10	05.20	जसीडीह	20.25	20.35	जुहुममाहां सा़गुनमाहां ओ़तेमाहां
	08.10	08.15	किऊल	17.10	17.15	
	12.00	–	नटेसर ↑	–	**13.00**	

चेतान रेयाक़् स्पेशल ट्रेनको बानार नाखा हो़र रेयाक़् बैंडेल, दुर्गापुर, चित्तरंजन,मधुपुर, झाझा, जमुई, शेखपुरा, अस्थवां, बिहार शरीफ़ नालंदा आर राजगीर स्टेशनको रे हों तेंगोना। **सांगार रेयाक़् ता़रिक कोः हावड़ा खो़नः 03001** 05/07, 07/07, 10/07, 12/07, 14/07, 17/07,19/07, 21/07, 24/07, 26/07, 28/07, 31/07, 02/08, 04/08, 07/08, 09/08,11/08, 14/08, 16/08, 18/08, 21/08, 23/08, 25/08, 28/08, 30/08, 01/09,04/09, 06/09, 08/09, 11/09, 13/09, 15/09, 18/09, 20/09, 22/09, 25/09,27/09 और 29/09/2026 (सिंगेमाहां, बालेमाहां, जा़रूममाहां) हिलो़क़् 38 ट्रिप आर **नटेसर खो़नः 03002** दिनांक 06/07, 08/07, 11/07, 13/07, 15/07, 18/07, 20/07, 22/07,25/07, 27/07, 29/07, 01/08, 03/08, 05/08, 08/08, 10/08, 12/08, 15/08,17/08, 19/08, 22/08, 24/08, 26/08, 29/08, 31/08, 02/09, 05/09, 07/09,09/09, 12/09, 14/09, 16/09, 19/09, 21/09, 23/09, 26/09, 28/09 आर 30/09/2026 (ओ़तेमाहां, सा़गुनमाहां, जुहुममाहां) हिलो़क़् 38 ट्रिप। **गो़ठो़नः** वातानुकूलित 3-टियर-01, शयनयान दोरजा-07, साधारो़न दोसार दोरजा (जीएस)-08 आर एसएलआरडी-2 18 कोच। **दोरजाः** मेल एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

नों़डे पांजालेपेः @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

30 जून हूल दिवस 2026 : चेत् झारखंड रे दाक्, ओ़त हासा आर बिर बुरू बांचाव ला़गित् आर मित् हूल जा़रूड़ा?

तेहेञाक् हूल दो़ को़लो़म, आ़न आर जागवार सेलेत् ला़ड़हा़ई रेयाक् जा़रूड़ मेनाक्आ

हुलमे

- मिरुलाल टुडू

हुलमे संताल हुलमे
मो़नेताम रे हुलमे
जिवीताम रे हुलमे
हो़ड़मो़ताम रे हुलमे

मो़ने रेताम माहाजो़न
ओ़को़य सांवतेम हुला?
जिवी रेताम अंग्रेज,
चेका तेयेम हुला?
हो़ड़मो़ रेताम हेवा,
ओका लेकाम हुला?

गा़डी माताम माहाजो़न,
सो़ंगे माताम अंग्रेज
आक्युरको ताम दिकु,
चेका तेयेम हुला?

पेड़ा हो़ंताम माहाजो़न,
अंग्रेज ओड़ाक् ना़ईहा़र,
दिकु ओड़ाक् गिति़च्-दुडुप्
ओका लेकाम हुला?

ओ़त आखरिञ गा़डीताम,
हासा आखरिञ सुनुम,
खेत साठा जेल-हाको,
बाड़गे भारना ञु-जो़म,
चेका लेकाम हुला?

आ़किल माताम आन्दहायेन,
बुदही माताम बोकायेन,
बोयहा सांवेम तापामेन,
गुतिया़ सांवतेम बा़ईरीयेन,
सांवता दिकु चुपुत् रे,
चेका आदो़म हुला?

सिदो-का़न्हु हुल रे दो़,
सामाङ रे अंग्रेज,
सिदो-का़न्हु हुल रे दो़,
सुजही रे माहाजो़न,
नित माताम लाहा-तायो़म,
आम रेन गे नापाय बा़ईरी,
ओ़को़य सांवतेम हुला?

हुल होयोक् तामा संताल,
बेगो़र का़पी-खांडा ते,
ला़ड़हा़ई होयोक् तामा आम दो़,
बेगो़र आक्-सार आन ते,
हुदिस मेसे चेकाम हुला?

साइमन हांसदाक्

दुमका। हूल दिवस ओ़पसो़र रे संताल आदिवासीको दो़ जाव बो़छो़र गे भोगनाडीह रेको जावराक् काना आर हूल रेयाक् इतिहास काथाको दिसा़ दोहड़ाय तुलुच् हुलगा़रिया़को मानो़त सालाक्को डो़बो़क् जोहाराको काना आर सांवते संताल सोमाज रेयाक् मित् जुमिदो़क्, बांचावो़क् आर हो़क आइदा़री बाबो़त रेको गालमारावेत् काना। नित ते ञेलो़क् काना आदिवासकोवाक् दाक्, ओ़त-हासा आर बिर-बुरूको जोगाव बांचाव ला़गित् आ़डी जा़रूड़ पाड़ाव आकाना, मेनखान चेत् लेकाते जोगाव बांचाव दाड़ेयाक्आ? नोआ हूल माहां दिन सेटेरेन रे बारया पेया कुकली गे आदिवासी जुवा़नको ठेन सो़मपो़क काते कुली आकात्कोआ जे 30 जून हूल दिवस मानाव दो़ तेहेञ तिना़क् जा़रूड़ा? नोआ रे चेत् नागाम मेनाक्आ? झारखंड रे दाक्, ओ़त हासा आर बिर बुरू जोगाव बांचाव ला़गित् चेत् आर मित्टेन हूल होयोक् जा़रूड़ काना? से चेत् भ्रष्टाचार खिलाफ रे आर मित्टेन हूल होयोक् जा़रूड़ काना?

हुलगा़रिया़कोवाक् कुकमू पुरा़उ ला़गित् आर झारखंड रे भ्रष्टाचार खिलाफरे आर मित्टेन हूल

'तेहेञाक् सो़मो़य रे हूल दिवस दो़ आ़डी गे जा़रूड़ गेया, चेदाक्जे आदिवासी सोमाज रे गिदरा़को खो़न हाड़ाम बुढी उमारानको रे हों ञेलो़क् काना जे 30 जून हूल माहां दो़ मिमित्कोवाक् दिल रे मेनाक्आ। मेनखान 30 जून हूल माहां रेयाक् आसोल मो़हो़त दो़ मित्आड़े काते कुसी रा़सका़ दिवस रे बो़दो़ल एना। मिमित् चौक चौराहाको रे हूल माहां जुतुम ते फुटबॉल मैच, लागड़ें एनेच् छाडा आयमा रंगारंग का़मीहो़राको सो़दो़रेत् काना। तेहेञ 30 जून हूल दिवस रे आबो जोतो़ आदिवासीको एकराड़ो़क् जा़रूड़ कानताबोना, जे आबो रेन हुलगा़रिया़कोवाक् मुठा़न सामाङ रे तेंगो काते नोआ मो़ने गोटाय रेयाक् जा़रूड़ मेनाक्आ जे आपेयाक् बाड्पुरा़उ आकान का़मीको दो़ जाहां हालो़त रेगेले पुरा़वा।' आबो झारखंड रे आदिवासी सोमाजाक् दाक्,ओ़त-हासा आर बिरबुरू जोगाव बांचाव ला़गित् आर मित्टेन हूल होयोक् आ़डी जा़रूड़ गेया, मेनखान नोआ हूल दो़ उन धा़बिच् सफल बाङ होयोक्आ तिन धा़बिच् आदिवासी जुवा़नको रे हुलगा़रिया़ सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, शाम पारगना, हाड़मा देशमांझी, गा़रभू मांझी लेकान हजारके हजार हो़ड़ाक् मायाम रेयाक् दाम बाको आटकारा, उन धा़बिच् दो़ जुवा़नको होतेते हूल होय ओचोय दो़ बाङ होय दाड़ेयाक्आ। ओनाइया़ते जुवा़नको ठेन आरो़ज मेनाक्आ जे आबो रेन हुलगा़रिया़कोवाक् कुकमू पुरा़उ ला़गित् आर झारखंड रे भ्रष्टाचार खिलाफरे आर मित्टेन हूल।'

------------बिनयलाल मरांडी, देशमांझी डुमरिया बंगला।

तेहेञाक् दिन रे आक् सार ते दो़ बाङ, आरटीआई, कोर्ट, ग्राम सभा, सोशल मीडिया ते हूल

'1855 रेयाक् हूल दो़ महांजो़न आर जुमींनदारको खिलाफ होयलेन ताहेंकाना। मेनखान निहा़ली रे बा़ंदूक ते दो़ बाङ, संविधान का़नून वोट आर आंदोलन ते ला़ड़हा़ई काना। तेहेञाक् दिन रे आक् सार ते दो़ बाङ, आरटीआई, कोर्ट, ग्राम सभा, सोशल मीडिया ते हूल होयोक्आ। दाक् बिर बुरू आर ओ़त हासा ला़गित् हूल चेदाक् जा़रूड़ा, चेदाक्जे कोयला, लोहा, यूरेनियम ला़गित् जाव बो़छो़र हजाके हो़ड़को ओचोगो़क् काना। भ्रष्टाचार खिलाफ हूल चेदाक् जा़रूड़ा, चेदाक्जे डीएमएफटी फंड आदिवासी इलाका रेयाक् पोयसा आदिवासीको धा़बिच् बाङ सेटेरो़क् काना। जुमी दालाल, एसपीटी एक्ट/सीएनटी एक्टको खोखलाक् काना। 'जल, जंगल, जमीन बचाओ आर भ्रष्टाचार मिटाओ' बारया नारा गे बाङ, मित्टेन ला़ड़हा़ई काना। मेनखान दिसा़ दो़हो़य जा़रूड़ जे हूल दो़ भीड़ ते दो़ बाङ, जुमिदो़क्, योजना पो़थाय ते गे होयोक् काना।'

------------सुनील मुर्मू, ओनो़ड़हिया़, भागलपुर।

'1855 रेयाक् संताल हूल एकेन अंग्रेजको खिलाफमित्टेन ला़ड़हा़ई गे बाङ, बो़रो़ङ आदिवासकोवाक् दाक्, ओ़त हासा आर बिरबुरू आर पहचान रेयाक् पा़हिल जुमिदतेयाक् ला़ड़हा़ई ताहेंकाना। मित् सेच् झारखंड रे दाक्, बिर बुरू आर ओ़त हासा जोगाव बांचाव ला़गित् नारा आंजो़मो़क् काना दोसार सेच् ओ़त हासा लुटा़उ रेयाक्को कुरूमुटू आर साजिश बेनावेत् काना। आदिवासी मूलवासीको ला़गित् आपनार जुमी खो़नको ओ़चो़क् ओचोक्कान आर बेरोजगार लेकानाक् मुसकिलाक् ला़गित् आ़डी माराङ लिलका़र काना, एनहों नोण्डेन सरकार हो़ड़ाक् भा़लाई ला़गित् बाय हुदिसेत् काना। हालो़त नोंका गे बेनाव ताहेंयेना तो़बे हूल होयोक् दो़ खा़टी गेया। झारखंड पो़नो़त जुदा़ बेगार काते 25 बो़छो़र पुरा़वेना, आबो रेन हुलगा़रिया़ वीर सिदो-कान्हू मुर्मू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, बिरसा मुंडा, तिलका मुर्मू लेकान वीर शहीदकोवाक् कुकमू आतरा गे ताहेंयेना। नित बुजहा़क् काना हूल बेगो़रते नोंकान दिन लेखाय होयोक्आ, ओका कारो़न ते दो़ 1855-56 रेयाक् संताल हूल दोहड़ाय आ़डी जा़रूड़ गेया।'

--------------दिलीप कु टुडू, पा़ठवा, एसकेएमयु, दुमका।

भ्रष्टाचारको कारो़न ते हो़ड़कोवाक् आ़धिकार दाबाक् खान तोबे आवाज उठा़उ जा़रूड़

हूल दिवस 2026 दो़ तिना़क् दामानाक्आ?

हूल दिवस 30 जून 2026 दो आडी दामान गेया। हूल दिवस दो़ एकेन इतिहास मो़तो़च् दो़ बाङ काना, बिचको़म स्वाभिमान, संघर्ष आर अधिकार रेयाक् चिन्हा काना। हूल दो़ आबोवाक् जल, जंगल, जमीन आर आदिवासीकोवाक् पहचानको रुखियाय ला़गित् शंदेशए एमो़क् काना। चेत लेका अंग्रेजकोवाक् शासन विरोध हूल होय लेना ओंकागे तिहिञ हों अन्याय आर भ्रष्टाचारको विरोध रे आवाज उठा़ऊ दो़ आ़डी जारुड़ गेया। चेत् झारखंड रे जल, जंगल, आर जमीनको रुखियाय ला़गित्ते हूलहोयोक् जारुड काना? से भ्रष्टाचारको विरुद्धते आर मित् हूल होयोक जा़रुड़ा? जल,जंगल आर जमीन दो़ आदिवासी सोमाज रेयाक् पहचान आर जीवन रेयाक् आधार काना। जुदी नोवाको रे खातरा हेच्लेन रे सेभ्रष्टाचारको कारोन ते हो़ड़कोवाक् आ़धिकार दाबाक् खान तोबे आवाज उठा़उ दो़ जा़रूड़ गेया। हूल रेयाक् मो़तलो़ब दो एकेन हथियार साबदो़ बाङ होयोक् जारुड़ काना। तिहिञाक् दिन रे मित् नावां हूलनोवा रूप रे होय दाड़ेयाक्आ जे सोरकाराक् जोतो लेकान योजनाको रेयाक् जानकारी होयोक् जा़रुड़ा। एकता रेयाक्

हूल - सोमाजरेनको मित् मो़त कातेक् गलत कामीको विरोध जारुड़ काना।भ्रष्टाचारको विरोध रे हूल- रिश्वत, दलाली आर जोतोलेकानाक् योजनाको रे गड़बड़ीको विरोधरे कानून आर लोकतांत्रिक लेकाते ला़ड़हा़ई जा़रुड़ काना। शिक्षा रेयाक् हूल - नावां पीढ़ी रेनकोको पाड़हाक, बुझा़उ आर सोमाज ला़गित्को आयुर। शिक्षा दो़ दाड़ेयानाक् ओनकान हा़थियार काना ओकाटाक् ते नोआ दुनिया़बोन बो़दो़ल दाड़ेयाक्आ। जोतोकोगे इञसेच् खो़न आयमा हूल जोहार।।

-------------------लखीराम हाॅसदा, सोमाजरेन जुवान, पा़ठवा़ एसकेएम दुमका

तेहेञाक् हूल दो़ को़लो़म, आ़न आर जागवार सेलेत् ला़ड़हा़ई रेयाक् जा़रूड़ मेनाक्आ

1हूल माँहाँ तेहेञ तिना़क् जा़रुड़ाना?

'1855 रेयाक् हुदिसजो़ङ तेहेञ हों जिवेत् गेया। दाड़ेयान माँयाँमगोहा सिदो मुर्मू, का़न्हू मुर्मू चाँद मुर्मू आर भायरो मुर्मू दो़माहाजो़नकोवाक् को़चलो़न, सिबा़ड़ बिरूद आर जो़ल, जोडगोल, जुमी आर आपनाराक् ओ़नो़रो़म बाञचाव ला़गित् हूल रेयााक् साकवाको ओ़रो़ङ लेदा। हूल लाड़ावना दो़ संताल परगना रेयाक् ओनोरोम आर बानाधाव रेयाक् रेहेत् गेको दो़हो़ लेदा। आगाम सेच् सेनकाते नोआ लाड़ावना रेयाक् साकाम पाटाल रे संताल परगना रेयाक् हासा रुखिया़ सो़ बो़न्द केटेच् आ़न बेवहार रे हेच् एना, ओका रेयाक् मो़तलो़ब दो़ आ़दिबा़सी सो़माज रेयाक् हापड़ाम हासा रुखिया़य ताहेंकाना।ओनको दो़ आबोको सिखा़उकेत्बोना जे नोआ धा़रती, नोआ जुमी एकेनहासा दो़ बाङ, बिचको़म आबोरेन गो़गो़ कानाय आर नुई रुखिया़ये दो़ आबो मिमित्कोवाक् दा़ईक काना। तेहेञ हों आबो सामाङ रे आ़डी लेकान लिलका़रको मेनाक्आ। हापड़ाम बेनाव जुमी रे आयमामुसकिलाक्को मेनाक्आ। संताल परगना जुमी चेतान ओ़लाकान केटेच् का़नून ताहेन तुलुच् हों ओना रेयाक् मो़ज ते बाङ लाड़चाड़ो़क् कान रेयाक् मुसकिलाक्को आबो सामाङ रे मेनाक्आ। बिर आर बुरु चेतान दा़बी रेयाक् काथा मेनाक्आ। आबोवाक् पा़रसी, लेगा़री आर हेच् हिजुक् कान लेगा़री रेयाक् लिलका़र आबो सामाङ रे मेनाक्आ। तिन हा़बिच् जो़ल, जो़ड्गो़ल, जुमी पूरा़ लेकाते बाङ रुखिया़क्आ, उन हा़बिच् हूल माहां रेयाक् जा़रुड़तेत् आका ताहेन गेया। नोआ इया़ते हूल माँहाँ तेहेञ लाहा खो़न हों ढेर जा़रुड़ाना। हें, तेहेञ आर मित् हूल रेयाक् जा़रुड़तेत् मेनाक्आ। तेहेञाक् हूल 1855 लेका दो़ बाङ। उन ओ़क्ते हापड़ामकोवाक् तीरे दो़ आक्-सार ताहेंकाना, तेहेञ आबोवाक् ती रे दो़ को़लो़म, सिखना़त, संविधान आर जागवारतेत् होयोक् जा़रुड़ा। तेहेञाक् हूल दो़ आ़किल रेयाक् होयोक्आ, जागवार रेयाक् होयोक्आ, इमानदार रेयाक् होयोक्आ आर मित् मो़त रेयाक् होयोक्आ। आबो दो़ आपनाराक् लेगा़री आर आईदा़री रेयाक् रुखिया़, संविधान ताला रे ताहेंकाते दो़हो़य होयोक्आ। आबो दो़ आपनाराक् जो़ल, जुमी, पा़रसी, गाब लालो़च आर मिरलुड्तेत् बिरुद रेयाक् जो़तो़ खो़न माराङ सापाप् को़लो़म आर जागवार सो़माज काना। नोवागे नाँवाँ जुग रेयाक् हूल दो़। दाड़ेयान माँयाँमगोहा सिदो-का़न्हू, चांद आर भायरो दो़ आबो नाहांचार सामाङ रे तु बुदो़क् बाङको चेत् आकावात्बोना। नित दो़ आबोवाक् दा़ईक काना जे ओनकोवाक् कुकमूको सिखना़त, मित् मो़त आर आ़न लेकाते पुरा़उ होयोक्ताबोना। 1855 साल रे हूल दो़ आक्-सार ते ला़ड़हा़ई होय लेना। तेहेञाक् हूल दो़ को़लो़म, आ़न आर जागवार सेलेत् ला़ड़हा़ई होयोक्आ। 172आक् हूल माँहाँ 2026ओ़पसो़र रे भोगनाडी रेयाक् हासा खो़न 1855 रे हूल रेयाक् साकवाओ़क्रो़डको दाड़ेयान माँयाँमगोहा सिदो मुर्मू, का़न्हू मुर्मू, चांद मुर्मू, भायरो मुर्मू साँवते जो़तो़ माँयाँम गोहाको साय-साय मानो़त आर हूल जोहार!

--------------रवि बेसरा, ओ़नो़ड़हिया़,पतना, साहेबगंज।

संताल मायाम गाडा

बिनयलाल मराण्डी

**'पिरीतिया़'
(बादोली गाड़ - संग्रामपुर तालपहाड़ी, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़)**

लाया़को काथाय तिस सेदाय रेचो़
ब्रिटिश को पानी सोरकार बिरोध रे
हूल लेदाको हापड़ामको गेचो़
ओना खा़तिर गेचो़ मायाम गाडा
आ़तू लेना गोटा दिसा़म!!

1855 सेरमा खो़न लाहारे
जो़नो़म दिसा़मताबोन ताहेंकान
ईंगरा़ज हो़पो़न गो़बो़ल रे
बीर-बुरू, ओ़त-हासा, जागा-जुमी
जो़तो़वाक् ओनको गो़बो़ल रे
ए हो... संताल हो़पो़न..!!
आर तिना़क् दिन ताहेंनाबोन गो़बो़ल रे??

दा़मिन टोठा रे मेनाक्
साहेबगंज रेयाक्..
भोगनाडीह आतो रे
चुनू मुर्मूवाक् मायाम खो़नाक्
मित् भा़यादीको ओ़मो़न लेन
नोकोगे माको 'बीरबंटायेन..!!

सिदो-कान्हू आर चाँद-भैरो
सांवते फूलो-झानो...!!
हारायेनको हायरे कोनो-नोनो...!!

गोटा दिसा़म ईंगरा़ज सोरकार
जो़तो़वाक् रेगे आ़धिकार
ओना खा़तिर हो़ड़-हो़पो़न
कालाङडेलाङ
ओ़को़य ठेनको हो़मो़र-हालाङ?
नोआ ञेलते जाहेर एरा
सेटेरेनाय भा़या़दी ठेन
भोरात्किनाय दिलदाड़े जेमो़न....!!
दिसा़म दो़रलो़यकिन आड़े !!

साहेबकोवाक् को़चलो़न ते
संताल हो़पो़न हो़मो़र आते
एरा-हो़पो़न गा़युर-टा़पुर
हिजूक्आको टाकार-टुकूर
सिदो-कान्हूकिन हुदिसा
हापेन दिन रे चेत् होयोक्आ?
हो़ड़मो़ मायाम हेडेजो़क् कान
ईंगरा़जको राजेत् कान
नोको गेमा आबो रेन बा़यरी
बालाङ एमाको आ़यदा़री

दिसा़म हो़ड़लाङ जारवाकोआ
आबोवाक् आ़यदा़रीलाङ
लाया़कोवा...!!

ओडोक एनाकिन सिदो-का़न्हू
हिड़िञ केदाकिन ओड़ाक्-दुवा़र
नुनाक्ता़किन दिसा़म दुलाड़
ओड़ाक् गेचो़ बा़किन रुवा़ड़
आतो-आतो दाड़ावाते
दिसा़म हो़ड़को जारवाकाते
लाया़त्कोवाकिन आ़यदा़री
ओ़रो़मकोवाबोन आबो रेन बा़यरी
जिवी चालाक् चाहे मायाम आतुक्
नितो़क् एकाल बाबोन थिरो़क्!!

आदिवासीकोवाक् ओनोरोम आर सोमाज ला़गित् सुही रा़ई रेयाक् चिनहा़ काना हूल माहां : जुबैर अहमद

खूंटी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति, खूंटी दो़ बालेमाहां हिलो़क् जिला अध्यक्ष जुबैर अहमदाक् आ़युर रे जिला कार्यालय रे हूल दिवस आ़डी मानो़त सालाक्को मानाव केदा। नोआ ओ़पसो़र रे बीरबाण्टा हूलगा़रिया़ सिदो-कान्हू, चांद-भैरव आर फूलो-झानो ताकोवाक् चिता़र रे माला आराव काते ओ़नकोवाक् तेंगेनको उ़ईहा़र हालाङ केदा।का़मीहो़रा ताला रे हा़ली रे गे बोंगाताला़वाकान झामुमो रेन जिला सचिव बोंगाताला सुशील पाहनाक् गुर माहां रे सेटेरेन नेताको आरकार्यकर्ताको दो़ मित् मिनट रेयाक् मौन दो़हो़ काते उनीको उ़ईहा़र आंजले केदेया। वक्ताको मेन केदा जे संगठन उपा़र रे उनीयाक् निरोड़, ला़गिया़पाड़ाव मित् गे तालाव कुरूमुटू दो़ कार्यकर्ताको मित् गे तालावे उसकुर इदिकोआ। जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद दो़य मेन केदा जे हूल माहां दो़ एकेन उ़ईहा़र माहां दो़ बाङ काना, बिचको़म दाक्-हासा, बिर-बुरु आर आदिवासीकोवाक् ओनोरोम आर सोमाज रे सुही रा़ई ला़गित् ते मित् नागामिया़ लाड़हा़ई रेयाक् चिनहा़ काना। उनी दो़ कार्यकर्ताको बीरबाण्टाकोवाक् उदुक् डाहार रे चालाव काते संगठन आर सोमाज केटेज ला़गित्ए नेहो़रात्कोआ। का़मीहो़रा रे केंद्रीय रा़सिया़ भोनानाथ लाल, मकसूद अंसारी, मनोज मंडल, शंकर सिंह मुंडा, मौजीर अंसारी सांवते आयमा लेखा रे झामुमो रेन नेता आर कार्यकर्ताको सेटेराकान ताहेंकाना।

माड़ा़ङ रेन सिरा़मंत्री चंपई सोरेन दो़ हूल माहां क्विज हापाराव रेन जितका़रिया़य चालात्कोआ सिरोपा

खोबोरिया

दुमका। दिसोम मांझीथान जाहेरथान समिति संताल परगना प्रमंडल दुमका होतेते दिसोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडूवाक् आ़युर रे सेताक् पोखरा चौक रे मेनाक् सिदो-का़न्हू मुर्मूवाक् गो़ड़हो़न मुठा़न रे माला आराव काते हूल माहांको मानाव केदा। ओना तायो़म श्री अमड़ा़ रेमेनाक् फूलो-झानो मुर्मूवाक् गो़ड़हो़न मुठा़न रे बाहामालाको आरावकेदा।

सांवते दिसोम मांझीथान आर जाहेरथान समिति सेच् खो़न संताल हूल बाबो़त रे ''क्विज हापाराव'' दो़हो़ लेना। नोआ रे संताल परगना रेयाक् आ़डीगान टोठाको खो़न हेच् काते पा़ठवा़ दो़ ओना क्विज हापाराव रेको सेलेत् एना। क्विज हापाराव रे आयमा राउंड होयेनतायो़म मुचा़त् रे पा़हिल जायगा दो़ आमोद बास्की, दोसार जायगा दो़स्टीफन हांसदा आर तेसार जायगा दो़ सुखदेव हेमब्रमए हामेट केदा। क्विज हापाराव रेको जिता़वेन आरदासिया़ दो़ माड़ा़ङ रेन सिरा़मंत्री चंपई सोरेन, पूरनलाल टुडू (विधायक कटिहार, बिहार), बीनीलाल टुडू दिसोम मांझी बाबावाक् ती ते सिरोपा एमात्कोआ। नोआ ओ़पसो़र रे माड़ा़ङ रेन सिरा़मंत्री चंपई सोरेन दो़ दिसोम मांझीथान छाटका रे दारे रो़हो़य काते ओ़नो़रो़ल बांचाव दो़हो़यकाथाय मेन केदा। सांवते जुवा़नको जो़तो़ पाहटा रे लाहाक् इदिक् काथाय मेन केदा। लाहा सेच् उनी दो़ आ़किल हामेट सांवते आपनारसोमाज, धो़रो़म, आ़रीहोरा आर आ़रीचा़ली हों जोगाव दो़हो़य रे जोरे एमावादा।

नो़ते दिसोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू दो़य मेन केदा जे नोआ हूल माहां का़मीहोरा रे संताल परगना रेयाक् आयमा टोठाको खो़न हो़ड़ दो़ आपनार आ़रीचा़ली तेयाक् हो़रो़क्-बान्देन पांची लादे कातेको सेलेत् एना। सांवते क्विज हापाराव दाराय ते पा़ठवा़को रे आ़डी रा़सका़ ञेलेना। नोआ सांवते दारायकान दिन रे हों नोडका गे हापाराव ओराम इदिय काथाय मेन केदा। नोडकानाक् हापाराव ते जुवा़नको रे पाड़हाक् सांव-सांवते सोमाज आर आ़रीचा़ली बाबो़त रेयाक् बाडाय हों ढेरो़क् ताकोआ। नोआ ओ़पसो़र रे सुरेशचंद्र सोरेन, टेकलाल मरांडी, नीलेश हांसदा, रामप्रसाद हांसदा, मोहन टुडू, सीताराम सोरेन, झुमरी सोरेन, सुमन सोरेन, ईमेल मरांडी, अल्बिना किस्कू, मनीषा सोरेन, मनीषा, हांसदा, मोनोदी सोरेन, प्रेम हांसदा, संदीप मुर्मू, संदीप हांसदा, चंदू हेमब्रम, देवराज हांसदा, सुनील मरांडी, साहेबराम हेमब्रम, सोनेलाल मुर्मू एमान आयमाको सेटेराकान ताहेंकाना।

हो़ड़ हो़पो़नकोवाक् हूल-02

महेंद्र बेसरा 'बेपारी'

तोंगेयाक्---- हो़ड़ हो़पो़नकोवाक् दो़ माहाजो़न, दो़रो़गा आर साहेब सुबा़को उपा़रते बे बा़ड़ीच् रांगाव ताहेंकानते ओनको हो़ड़ेच् गादार उदुक्आको ला़गित् खाण्डा-भाण्डा सापड़ावको एहो़प् एना। सापड़ाव सा़तआकान हो़ड़को दो़ हूल ला़गित्को चुटचुटा़उआकान ताहेंकाना। हो़ड़को दो़ चिनहा़ ञेल हो़र भेदरे आर सुबा़ ठा़कुराक् हुकुम आञ्जो़म ला़गित् सिञ ञिन्दा़ लुतुरको ओडावआकात् ताहेंकाना। मिमित् हो़ड़कोवाक् मो़ने ओ़नतो़र रे एदरे सेंगेल दो़ हुरूङ हुरूङ आंगरावाकान ताहेंकाना। नोआ एदरे सेंगेल ओ़टेच् ओडोडेक् ला़गित् हो़ड़को दो़ तां़गी तांडा़क् भेदरेको ताहेंकाना। आर मित् दिन आचकागे कुमांयां माहाजो़न, कुरमुताहा दो़रो़गा आर उनकिन सांव रेन बो़रकान्दाजको पांचका़ठिया़ सोर बाबूपुर रेको हेलेच्केत्को सांवते हूल दो़ एहो़प् एना। एदरे सेंगेल मा लाहा खो़नगे जोलोक्कान ताहेंकान, हूल एहो़प्एन सांवतेगे धाउ धाउ सालगाव राका़प् एना। एहो़प् एना माराङ गो़च् गो़पो़च् ओ़ने ओका दो़ तुरुई चांदो हबिच् तोंगे ताहेंकाना।

हूल दो़ हो़ड़ हो़पो़नकोवाक् ओ़त हासा पो़रजा़तको ठेन बाञ्चाव रेयाक् बे बो़तो़र जिवी आलायगे ताहेंकाना। आपनाराक् हो़क आर आईदा़री ञाम रूवा़ड़ रेयाक् मांयांम गोहा गे हूल दो़ ताहेंकाना। हूल दो़ हो़ड़ हो़पो़नकोवाक् जिवेदो़क् ओ़परो़म जुग जिवेत् दो़हो़य रेयाक् सो़रो़स सापाप् गे ताहेंकाना। हूल दो़ सेदाय लेका बे ताबे थामगा़डी रेयाक् लासेर खाण्डा गे ताहेंकाना। हूल दो़ दिसोम सा़धिन रेयाक् मित्टेन जोरवार ला़ड़ा़वाना गे ताहेंकाना। नोआहूल हो़तेतेगे बिरबुरू दिसोम रेको ताहेनकान संतालको दो़ दुनिया़ रेयाक् नाकसा रे माराङ ठा़ईको ञाम केदा। एकेन इना़ सुमुङ दो़ बाङ बिचको़म नोआ दो़ मित्टेन आ़जगुत साहो़स, दिल दाड़े आर मित् जो़मो़कतेत् रेयाक् माराङ उता़र नामुना गे ताहेंकाना। नोआ हूल हो़तेते गे नांवां बो़नो़दो़ल आर नांवां बोनदो़बो़स होय एना आर संतालको ला़गित् मित्टेन नांवां तोलहांट 'संताल परगना' थापना लेना।

दुनिया़ रे जांहांतिसगे जांहांय जात से दिसोम ताला रे ला़ड़हा़ई होयआकान मांयांम दो़ डिञ डा़बुर आतुआकाना। एनते ला़ड़हा़ई गे नोंकान मित्टेन बो़ता़रान जिनिस काना ओ़ने ओकारे मानवांवाक् जिवी मा चालाक् गे ओना सांव-सांवते जीव जिया़ली आर सिरजो़न रेयाक् माराङ लोकसान हों होयोक् काना। सोमाज बेबोस्ता आर का़उडी आ़री रे आ़डी बा़ड़ीच् ओ़रसो़ङ पाड़ावो़क् काना। संताल हूल रे हों ओनकानाक् ञेलेनो़मगे ञेल ञामो़क् काना। तुरूई चांदो खो़न हों जा़सती दिन हा़बिच् चालावलेन नोआ हूल ते सा़ना़धिन मा ञामेन गे, मेनखान नोआ ला़गित् ते पे गेल हाजार हो़ड़कोवाक् मांयांम आतू एना। आपा हो़नको आपात् एना, एरा-उरूको हाले डाले एना आर जुरी-पा़रीको छुडा़र एना। हूल रेन आयुरको दो़ हो़ड़ सामाङ रे पा़सी काट रेको आकाकेत्कोआ। आयमाहूलगा़रिया़को दो़ दिसोम खो़न बाहरेको चालानकेत्कोआ आर जियो़न भोर बिड़ी रे तो़ल, आ़डी हारो़न को़सटो़ साहावकाते जिवी बा़तीइंड़िच्एनताकोआ। दुक रेयाक् काथा दो़ नोआगे जे ओनको दो़ जानामदिसोम बाको रूवा़ड़ दाड़ेयादा आर तिरे जुगे ला़गित्को आत् आगेनएना। हूल रे हाजार-हाजार हो़ड़को सेंगेल टुटी तेको बाजावेनतेदायागे जो़नो़म-जो़नो़म ला़गित्को ओकाजुआ़ एना। माल जालको छिञ छा़तुर एना। ओड़ाक् दुवा़र सेंगेल ते लो़ तो़रो़च्एनते हो़ड़हो़पो़नको दो़ आ़डी हाकलान रेको पाड़ाव एना। ला़ड़हा़ई खा़तिर तेहो़ड़ हो़पो़नकोवाक् जियो़न आर सोमाज हाले डाले रे पाड़ावेना आरका़उडी आ़री रा़पुत्एनाताकोआ। हूल तायो़म हो़ड़को दो़ रा़सका़ सांवते माराङ आनाट रेको ञुरहा़ एना। हूल तायो़म हों बो़ता़रआर भो़यो़न रेयाक् ओ़नो़रो़ल गोटा गे आटेत्आकान ताहे़काना। नोआ दो़रलो़य खो़न राकाबोक् ला़गित् ते आयमा सेरमा गे लागाव लेना। दूक आर दो़रलो़य दो़ मानवाको ला़गित् मित्टेन आ़डी बो़ता़रान आ़नाईका़उ काना। नोआ दोरलोय हो़तेते तिना़क् हा़न होयोक्आ ओना रेयाक् जांहांन सीमा़ गे बानुक्आ। एनहों दोरलोय दो़जांहां तिना़क् माराङगे ताहेन गोटा दिन दो़ मित् लेका बाङ ताहेना। ओ़कते बो़दो़लोक् सांवते हो़य हावाल दो़ फेरावो़क् गेया। तो़बे नोआदो़रलो़य दो़ आयमा जिनिस गे भाराभाटा आरे नासावा ओ़ने ओनारेयाक् हासो दो़ आयमा दिन हा़बिच् बेरेल गे ताहेंना। मेनआकादाकोजे दुक तायोम सुक हिजुक्आ। मारेयाक् बो़दो़लकाते नांवांनाक् हिजुक्आ। ओनका गे हो़ड़ हो़पो़नकोवाक् जियो़न रे हों बा़ई-बा़ईते बो़नो़दो़ल हेच् एना आर लाहा लेका गे जियो़न दो़ चालाक् एहो़प् एना। नांवां आस रेहेत् पोटको़जो़क् एहो़प् एना।नांवां दिस हुदिस आर कुकमू गाड़हावो़क् एहो़प् एना। नांवांतेआरहों हुला़स रा़सका़ रेयाक् जुडा़सी हिसित् हो़य चापे एना।जांहां तिना़क् हो़ड़ हो़पो़नको दो़ आकोवाक् जिवी आलाय होयेनताकोओना रेयाक् सेबेल जो़ लेकाते आको ला़गित् 'संताल परगना' दिसोमको चोण्डका बेगारानाक्आ।

1855 रेयाक् हो़ड़ हो़पो़नको हो़तेते जेरेत् लेन हूल सेंगेल दो़ संतालकोआक् नाडगाम रेयाक् तिसगे बाङ हिड़िञो़क् मित्टेन आ़डी नामडाक घोटना काना। हूल दो़ हो़ड़ हो़पो़नकोवाक् मित् मो़तकाते सा़ना़धिन ञाम रेयाक् मित्टेन सा़खी काना। कुंपनी सो़रकार सामाङ रे तेंगोक् आर उनी सांव ला़ड़हा़ई रेयाक् मित्टेन आ़जगुत ना़मुना काना। नोआ हुल हो़तेते दुनिया़ रेन मानवाको दो़ संतालकोवाक् दिलगा़रिया़ आञ्जो़मकातेको भाड़ो़आकाना आरओ़नकोवाक् सा़धिन ते ताहेन रेयाक् कुड़पाड़को साबासीआकादा। बिरटिस राज ओ़ने ओकारे दो़ सिञ चांदो तिसगे बाङ हासुरोक् कान ताहेंकान, दाड़ेयान सासो़निया़ सांव हो़ड़ हो़पो़नको दो़ सामकासा़टीको ला़ड़हा़ईलेन खा़तिर ते दुनिया़ रेन हो़ड़को ठाक उता़र लेना। हूल हो़तेतेगे 'ईस्ट इंडिया क पनी'याक् सिंघा़सोन सुधा़ थार थाराव लेना। हो़ड़ हो़पो़नको ठेन दो़ इंगरा़ज पालटो़नको लेका गुली बांदुक बाङ ताहेंकानताको रे हों ओनको दो़ आकोवाक् ओ़तहासा आर जा़त बाञ्चाव ला़गित् एकेन आक्-सार कांपी सा़प् काते आकोवाक् ओसार कोड़ामको ओडाव लेदा। सा़धिनो़क् रेयाक् नोआ हूल दो़ हो़ड़ हो़पो़नको आकोवाक् बो़हो़क् गो़रो़ब सालाक् चो़टते तुल राका़प् रेयाक् हो़र डाहारको उदुक् आकादा। हो़ड़ हो़पो़नको दो़ सिरजो़न रेयाक् हेव हो़बो़र रे ताहेन मित्टेन निधा़न जा़त कानाको। सोमाज चालाव बेनाव ला़गित् ते आकोवाक् निज बेबोस्ता मेनाक्ताकोआ। नोआ दो़ जुग खो़न चालाव हिजुक् काना आर तेहेञ हो़ ओना होरा पाञ्जा इदी भेद रेंगे मेनाक्कोआ।नोको दो़ दुनिया़ खो़न बेगार रे ताहेंकाते आकोवाक् का़मी रे मो़ंगोनको ताहेना। ञिर हापारावो़क् खो़न सा़गिञ आकोवाक् मो़ने लेका जियो़नको खाण्डावा। नोंकान हो़ड़को हो़तेते उना़क् माराङ हूल होयोक् दो़ सा़रीगे उसा़रा ओ़हो़ बिसवा़स गो़दो़क् लेकान काथा कानगेया। मेनखान हो़ड़ हो़पो़नको दो़ नोआ आ़जगुत का़मी बे दिगधा़ जिवी चुपुत् उरिच् कातेको चेका लेदा आर बिरटिस राजसासो़निया़वाक् उसुल बो़हो़क्को तु बुत् उता़र लेदा। सा़रीगे हूल रे हो़ड़ हो़पो़नको उदुक् लेत् आ़जगुत साहो़स आर आपनार जा़त ला़गित् आलायोक् दो़ संतालको ला़गित् मित्टेन बाङ मेटावो़क् छाप निसटा़न गेको दो़हो़ ओटोआकादा। नोआ हूल हो़तेतेगे नोण्डेनको हो़ड़कोवाक् ओ़त हासा रुखिया़ दो़हो़य रेयाक् केटेच् आ़न बांधाव एना आर हो़क आईदा़री ओ़ल तो़ल दो़हो़ एना। हो़ड़को ला़गित् नांवां दिसोम गेत् बेगार एना आर आपनाराक् दिसोम रे आपनाराक् राज थामगा़डी एना।

जोय संताल! जोय संताल हूल!

सिदो-कान्हू के संघर्ष से प्रेरणा लें आज के युवा : बसंत सोरेन

संताल हूल के आदर्शों पर चलने का किया आह्वान

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

दुमका । संताल हूल दिवस की 171वीं वर्षगांठ के अवसर पर 30 जून को दुमका शहर स्थित सिदो-कान्हु चौक पर झामुमो की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से दुमका के झामुमो विधायक बसंत सोरेन ने अमर शहीद सिदो मुर्मू और कान्हु मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।मौके पर विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि शोषण और अत्याचार के विरुद्ध हुए संताल हूल के हमारे महानायकों सिदो-कान्हु, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने जिस साहस और संघर्ष का परिचय दिया, वह आज भी समाज को प्रेरित करता है।उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि हम हूल के अमर नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को सिर्फ याद ही न करें, बल्कि उनके बताए रास्ते का अनुसरण करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी आदिवासी संस्कृति, परंपरा और संसाधनों से है, जिसकी रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने इतिहास, विरासत और महापुरुषों के संघर्ष को जानें और समाज के हित में आगे बढ़ें।मौके पर दुमका जिला झामुमो अध्यक्ष शिवा बास्की, महासचिव निशित वरण गोलदार, जिला प्रवक्ता अब्दुस सलाम अंसारी और नगर झामुमो अध्यक्ष विजय कुमार दास समेत अच्छी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

हूल दिवस पर दुमका में तीरंदाजी का रोमांच विजेताओं को मिला आर्थिक सम्मान

दुमका: आगामी 30 जून को मनाया जाने वाला 'हूल दिवस' (संताली में अर्थः स्वदेश आंदोलन) इस बार रानीश्वर प्रखंड के ऐतिहासिक संताल काटा पोखर परिसर में बेहद खास रहा। वर्ष 1855 के ऐतिहासिक संताल विद्रोह की स्मृति में संताल हूल अखड़ा की ओर से यहाँ विभिन्न सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई थी। तैयारियों को लेकर आयोजित विशेष बैठक में संगठन के अध्यक्ष सुनील मुर्मू, सचिव सिमल हांसदा, विश्वनाथ मरांडी, बिपोनाथ मरांडी, महादेव हेम्ब्रम, राजकिशोर मरांडी और सुभाष पहाड़िया ने कार्यक्रमों की समीक्षा की। संगठन ने स्थानीय प्रशासन से परिसर के क्षतिग्रस्त होर्डिंग सुधारने और वीर शहीद सिधू, कान्हू, चांद व भैरव की पूर्णाकृति प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग भी उठाई है। इसी कड़ी में मंगलवार को संताल काटा पोखर परिसर में संताल हूल अखाड़ा के तत्वावधान में एक भव्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पारंपरिक कौशल से सराबोर इस प्रतियोगिता में स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को आर्थिक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर पूर्व मुखिया सुनिराम बास्की, बिस्टु मुर्मू, दिगुली ग्राम सभा के अध्यक्ष श्याम राय, गौतम चटर्जी, डॉ. हर प्रसाद मुखर्जी सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। गौरतलब है कि दुमका के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर रविशंकर शुक्ला की पहल पर स्पेशल डिवीजन द्वारा लगभग 80 लाख रुपये की लागत से इस ऐतिहासिक पोखर का जीर्णोद्धार कराया गया था। वर्तमान में पंचायत निधि से 2 लाख 49 हजार रुपये की लागत से पोखर के घाट और 94 हजार रुपये की लागत से चबूतरे का निर्माण कराकर इस राष्ट्रीय स्मारक को नया स्वरूप दिया गया है।

वज्रपात से युवती की मौत

दुमका। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। यहाँ लखनपुर पंचायत के जाडी गांव में सोमवार की शाम आसमानी बिजली गिरने से 18 वर्ष की मोनी बेसरा की असमय मौत हो गई। हादसे के वक्त मोनी अपने घर पर बिल्कुल अकेली थी और अचानक हुए इस वज्रपात की चपेट में आ गई। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए मोनी को तुरंत रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। हालांकि अस्पताल में डॉक्टरों ने गहन जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय मृतका के माता-पिता घर पर नहीं थे, वे सोमवार को लगने वाले स्थानीय साप्ताहिक हाट में खरीदारी करने गए थे। बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिजन बदहवास हालत में अस्पताल पहुँचे और कागजी प्रक्रिया के बाद शव को वापस अपने घर ले गए। मंगलवार की दोपहर तक मृतका का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका था। इस आकस्मिक घटना से पूरे जाडी गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

सिदो-कान्हू के संघर्ष और बलिदान से नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए : डॉ. अमरेन्द्र

दुमका। हूल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल, दुमका जिला की ओर से मंगलवार को शहर के पोखरा चौक स्थित वीर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि 30 जून 1855 का संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए लड़ी गई ऐतिहासिक जनक्रांति थी। सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो का त्याग और बलिदान आज भी हमें अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर कार्यकारी जिलाध्यक्ष डॉ प्रमोद पंडित, जिला उपाध्यक्ष पानेशल टुडू, जिला महासचिव पंकज यादव, अमरेन्द्र यादव व माणिक पंडित, कोषाध्यक्ष सुबोध यादव,जिला सचिव दिनेश मिश्रा व शेष यादव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मो. जमील अख्तर एवं प्रदेश सचिव अफरोज आलम, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष उपेंद्र नाथ मंडल एवं प्रदेश सचिव प्रदीप मंडल, महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष साव्या सिंह एवं महासचिव मनीषा कुमारी, दुमका नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह 'चंचल, बालमुकुंद राय, रंजन कुमार, सूरज कुमार दास, सौरभ कुमार सहित कई सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एसकेएमयू में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के नए विभागाध्यक्ष बने डॉ. जय कुमार शाह

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. जय कुमार शाह को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा द्वारा मंगलवार को अधिसूचना जारी की गई। जारी अधिसूचना के अनुसार, झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के आलोक में डॉ. जय कुमार शाह को अधिकतम तीन वर्षों की अवधि अथवा उनकी सेवानिवृत्ति, जो भी पहले हो, तक स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. तारणी प्रसाद सिंह 30 जून 2026 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्त होने के पश्चात विभाग की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी डॉ. जय कुमार शाह को सौंपी गई है।

एसकेएमयू में डॉ. बिजय कुमार बने सामाजिक विज्ञान संकाय के नए संकायाध्यक्ष

दुमका। सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बिजय कुमार को सामाजिक विज्ञान संकाय का नया संकायाध्यक्ष (डीन) नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा द्वारा मंगलवार को अधिसूचना जारी की गई।जारी अधिसूचना के अनुसार, झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के तहत डॉ. बिजय कुमार को अधिकतम तीन वर्षों की अवधि अथवा उनकी सेवानिवृत्ति, जो भी पहले हो, तक सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष (डीन) के पद पर नियुक्त किया गया है।

डोभा का गंदा पानी पीने को मजबूर पहाड़िया परिवार

मसलिया । मसलिया प्रखंड की गोलबंधा पंचायत अंतर्गत गोलपुर गांव के पहाड़िया टोला में रहने वाले 15 आदिम पहाड़िया परिवार मूलभूत सुविधाओं के अभाव में बदहाल जीवन जीने को मजबूर हैं। करीब 70 की आबादी वाले इस टोले के लोग इन दिनों खेत के डोभा का गंदा पानी पीने को विवश हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस पानी को जानवर भी पीने से कतराते हैं, वही पानी उनकी प्यास बुझाने का एकमात्र सहारा बन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल आपूर्ति के लिए कल्याण विभाग द्वारा छह वर्ष पूर्व निर्मित सीमेंटेड जलमीनार मोटर और पाइप खराब होने के कारण लंबे समय से बंद पड़ा है। वहीं काली मंदिर के पास लगा एकमात्र चापाकल भी पिछले सात दिनों से खराब है। ग्रामीण फूलचंद पुजहर ने आरोप लगाया कि चापाकल मरम्मत के लिए मुखिया मीनू मरांडी से संपर्क करने पर उन्होंने फंड नहीं आने की बात कही। इसके बाद मजबूर होकर ग्रामीणों ने पुराने डोभा को दोबारा खोदकर उसी का पानी पीना शुरू कर दिया। हाल की बारिश के बाद डोभा का पानी और अधिक गंदा हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार गंदा पानी पीने से सुनीता कुमारी, लक्ष्मी पुजहरनी, ममता पुजहरनी, किरणी पुजहरनी और अन्नू कुमारी बीमार हैं।

हूल दिवस पर एसकेएमयू में शहीदों को नमन छात्रवृत्ति योजना की घोषणा ने बटोरी सुर्खियां

संवाददाता

दुमका। सिदो कानू मुर्मू यूनिवर्सिटी में मंगलवार को हूल की 171वीं वर्षगांठ श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जामा विधानसभा की विधायक डॉ लुईस मरांडी थीं, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर कुनल कांदिर ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा वीर सपूत सिद्धू मुर्मू एवं कान्हु मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय की छात्राओं ने पारंपरिक लोटा-पानी रीति से अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने हूल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। अतिथियों का स्वागत छात्र

कल्याण अधिष्ठाता ने अपने संबोधन से किया।

अपने संबोधन में डॉ. लुईस मरांडी ने कहा कि हूल केवल एक विद्रोह नहीं बल्कि जल, जंगल, जमीन, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का ऐतिहासिक जनआंदोलन था। उन्होंने कहा कि हूल क्रांति के शहीदों के संघर्ष की बदौलत आज संताल परगना विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और यहां की बेटियां सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में नई पहचान बना रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालयों में आयोजित सेमिनार और अकादमिक आयोजनों को इतिहास से जुड़ने और भविष्य तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर कुनुल कांदिर ने हूल के आदर्शों को सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान की प्रेरणा बताया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के लिए नई वार्षिक छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की। योजना के तहत प्रत्येक स्नातकोत्तर विभाग में हर वर्ष दो मेधावी विद्यार्थियों, एक छात्र और एक छात्रा, को छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रथम वर्ष के लिए चयन स्नातक अंतिम वर्ष के अंकों के आधार पर तथा द्वितीय वर्ष के लिए स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के अंकों के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति राशि और नियमावली तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

संताल हूल के सेनानियों का संघर्ष भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय : हेमलाल मुर्मू

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

गोपीकांदर । प्रखंड में 171वें हुल दिवस के अवसर पर कई गौरवमयी और ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लिट्टीपाड़ा के माननीय विधायक हेमलाल मुर्मू ने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वीर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधायक हेमलाल मुर्मू के इस दौरे की शुरुआत गुम्मामोड़ से हुई, जहां सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक और उत्साहपूर्ण तरीके से उनका

भव्य स्वागत किया। गुम्मामोड़ में विधायक ने सिद्धू-कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और वहां आयोजित एक दिवसीय पारंपरिक मेले का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद वे लखीबाद गांव पहुंचे, जहां उन्होंने विधायक कोष से नवनिर्मित सिद्धू-कान्हू की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। अपने दौरे को आगे बढ़ाते हुए विधायक खरौनी बाजार पहुंचे, जहां हुल दिवस की स्मृति में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का उन्होंने आनंद लिया और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता

रामगढ़ (दुमका)। दुमका जिले के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत भतुड़िया बी पंचायत के शंकरपुर गांव से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ मंगलवार की सुबह एक 19 वर्षीय नवविवाहिता, डोली कुमारी का शव उसके ससुराल स्थित घर में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर एकत्रित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह जब युवती काफी देर तक अपने कमरे से बाहर नहीं निकली, तो परिजनों को संदेह हुआ। कमरे के भीतर युवती को अचेत अवस्था में देख परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों को तुरंत सूचित किया गया, लेकिन तब तक युवती की मृत्यु हो चुकी थी।

घटना की सूचना पाकर रामगढ़ थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों का सटीक पता लगाने के लिए सभी संभावित बिंदुओं पर गहनता से छानबीन की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

पिकअप की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

सरैयाहाट। सरैयाहाट थाना क्षेत्र के मरकुंडा गांव के समीप मंगलवार की रात को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध शंभू शर्मा की मौत हो गई। बताया जाता है कि शंभू शर्मा सड़क पार कर रहे थे, तभी हंसडीहा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एक पिकअप वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद वाहन उन्हें कुछ दूर तक सड़क पर घसीटता हुआ ले गया।

दिशोम मांझी थान आर जाहेर थान समिति ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया हूल दिवस

क्विज प्रतियोगिता में सफल युवाओं को चंपई सोरेन ने किया सम्मानित

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

दुमका। सोमवार को दिशोम मांझी थान आर जाहेर थान समिति संताल परगना प्रमंडल दुमका के तत्वाधान में दिशोम मांझी बाबा बीनीलाला टुडू के नेतृत्व में प्रातः पोखरा चौक स्थित आदमकद सिदो-कान्हू मुर्मू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हूल दिवस मनाया गया। तत्पश्चात् श्री अमरा स्थित फूलो-झानो मुर्मू के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

साथ ही दिशोम मांझी थान आर जाहेर थान समिति की ओर से संताल हूल से संबंधित विषयों पर 'क्विज प्रतियोगिता' रखा गया था। जिसमें संताल परगना के कई क्षेत्रों से आकर छात्रों ने उक्त क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। उक्त क्विज प्रतियोगिता में कई राउंड होने के पश्चात् अंततः प्रथम स्थान पर आमोद बास्की, द्वितीय स्थान पर स्टीफन हांसदा व तृतीय स्थान पर सुखदेव हेंब्रम ने बाजी मारी।

उक्त क्विज प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को क्रमशः पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, पूरनलाल टुडू (विधायक कटिहार, बिहार), बीनीलाल टुडू (दिशोम मांझी बाबा) के हाथों से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने दिशोम मांझी थान प्रांगण में पेड़ लगाते हुए पर्यावरण संरक्षण की बात कही। साथ ही युवाओं को सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने की बात कही। आगे उन्होंने ने शिक्षा के साथ-साथ अपने समाज, धर्म, परंपरा व संस्कृति को भी संजोग कर रखने पर विशेष जोर दिया। वहीं दिशोम मांझी बाबा बीनीलाला टुडू ने कहा कि इस हूल दिवस कार्यक्रम में संताल परगना के कई हिस्सों से लोग अपने पारंपरिक वेशभूषा रंगारंग पंछी-लूंगी में शामिल हुए। साथ ही क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों व युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला।

हूल दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सिदो-कान्हू की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

मसलिया । हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को मसलिया प्रखंड के मोहनपुर, निपनियां और आश्रम में भाजपा मसलिया इकाई की ओर से अमर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संताल हूल के महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो के बलिदान को याद करते हुए उनके संघर्ष और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए योगदान को नमन किया।कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कहा कि 1855 का संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। सिदो-कान्हू और उनके साथियों ने अंग्रेजी शासन तथा शोषण के खिलाफ संघर्ष कर देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई। कार्यक्रम में रमेश मुर्मू, पूर्वी मंडल अध्यक्ष सहदेव मरांडी, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर मंडल, पवन सिंह, भुवनेश्वर टुडू, गोपाल चंद्र राय, चांदसोना बासकी, लालटू हांसदा, अजय सिंह, लालू पाल, तरुण कुमार मंडल, जाया राणा, नंदलाल सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा के अंत में वीर शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

बाइक रैली निकाल कर मनाया हूल दिवस

रामगढ़ (दुमका)। दुमका जिले के रामगढ़ प्रखंड में झारखंड क्रांति सेना संगठन द्वारा 171वें हुल दिवस के अवसर पर एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी रैली में स्थानीय युवाओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे क्षेत्र को हुल के नारों से गुंजायमान कर दिया। रैली के दौरान उपस्थित जनसमूह ने अमर शहीदों के बलिदान को याद किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने, सामाजिक एकता बनाए रखने व जल-जंगल-जमीन की रक्षा करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता रामगढ़ प्रखंड अध्यक्ष रमेश मरांडी ने की, जबकि विशाल बाइक रैली की कमान संगठन सचिव राजू हांसदा ने संभाली। यह रैली गम्हरिया हाट से शुरू होकर रामगढ़ के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए सरोता फुटबॉल मैदान पहुंची। इस ऐतिहासिक हुल उत्सव और रैली को सफल बनाने में देव कुमार टुडू, मानवेल हेम्ब्रॉम, हेमलाल टुडू, रोनाल्ड मुर्मू, फ्रांसिस हेंब्रम, लवकुश हांसदा, रामलाल बास्की, फ्रांसिस मुर्मू, श्यामलाल, रवि मरांडी, मोहम्मद आशिफ सहित संगठन के अनेक सक्रिय सदस्य और सैकड़ों ग्रामीण मुख्य रूप से मौजूद रहे।

हूल के शहीदों को नमनः सिदो कान्हू उच्च विद्यालय के बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी

दुमका । हूल दिवस के अवसर पर सिदो कान्हू उच्च विद्यालय में वीर शहीदों को याद किया गया। विद्यालय के सचिव प्रदीप्त मुखर्जी के दिशा-निर्देशन में श्रद्धांजलि और जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के नेतृत्व में स्कूल परिसर से पोखरा चौक तक प्रभात फेरी निकाली। विद्यार्थियों ने नारों और संदेशों के माध्यम से अमर शहीद सिदो और कान्हू के अदम्य साहस, बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने समाज को शहीदों के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। पोखरा चौक पर स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर सभी शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने माल्यार्पण किया। पुष्प अर्पित कर वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस गौरवमयी कार्यक्रम में शिक्षक रंजीत मिश्रा, मंतोष तिवारी, सुनील कुमार सहित स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ और बच्चे भारी उत्साह के साथ शामिल हुए।

संताल हूल के शहीदों को एबीवीपी ने दी श्रद्धांजलि

दुमका। हूल दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका नगर इकाई द्वारा बुधवार को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय परिसर में महान क्रांतिकारी वीर सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव एवं वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर हूल क्रांति के अमर बलिदानियों के संघर्ष, साहस एवं राष्ट्रभक्ति को स्मरण किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमन शाह ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 1855 का संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है। सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव एवं फूलो-झानो ने अंग्रेजी शासन तथा शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष कर समाज को स्वाभिमान और अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी। उनका बलिदान आज भी देश के युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है इस अवसर पर दुमका एवं साहिबगंज विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र झा, नगर अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र चंद्र गौरी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमन शाह, एसएफएस नगर संयोजक अनूप दत्त, नारायण ठाकुर, कृष्ण गुप्ता, अजय कुमार, सुमित कुमार सहित नगर एवं महाविद्यालय इकाई के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

संताल परगना में फिर एक 'हूल' की जरूरत : माकपा

दुमका। आज भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीएम कोरिया यूनिट के तरफ से हूल दिवस पर एक सभा की गई सभा की अध्यक्षता यूनिट के मंत्री कामरेड बेंजामिन मुर्मू ने किया सभा को सीपीएम के जिला प्रभारी सचिव कामरेड देवी सिंह पहाड़िया ने फूल दिवस पर चर्चा किया उन्होंने कहा कि आज फिर से जंगल पहाड़ों खेती बचाने के लिए हमें संगठित होकर लड़ाई को लड़ने होगी सभा को माकपा नेता एवं राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड एहतेशाम अहमद ने संथाल हूल की विस्तार से चर्चा की गई अहमद ने कहा कि आज पूरे देश में जहां भाजपा का शासन है वहां सबसे ज्यादा आदिवासियों पर हमले हो रहे हैं जल जंगल जमीन पर बड़े कॉर्पोरेट अदानी को दिया जा रहा है उसकी जमीन छीनी जा रही है झारखंड में भी कमोबेस जमीन की लूट जारी है जिस तरह से आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है पहले भी छीनी जा रही थी जिसकी वापसी आज तक नहीं हुई है इससे लगता है की संथाल प्रगण में एक और हूल की आवश्यकता है फूल पर चर्चा करते हुए एक और बात कही गई 1855 जिस दिन हूल की शुरुआत हुई थी सिदो कानों के साथ संथाल परगना के सभी जातियां जैसे घटवाल भूयां खेतोरी ग्वाला मड़ैया जुल्हा (मुस्लिम) कुम्हार पंडित मोची आदि सभी जातियां शामिल थी इसी कारण से संथाल परगना रेगुलेशन 3 1872 लागू हुआ और जमीन यहां की जमीन गैर हस्तांतरित आज उसी जमीन की लूट जारी है।

स्वामी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक अशोक कुमार द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,धनबाद गोल्डिपुर मेन रोड अशोक नगर, केजी आश्रम,गोसाईडीह धनबाद झारखंड से मुद्रित तथा संताल एक्सप्रेस कार्यालय दंगालपाड़ा, हिजला रोड, दुमका (झारखंड)से प्रकाशित, RNI NO. JHABIL/2018/76383, सलाहकार संपादक चंदन मिश्र, प्रबंध संपादक सिद्धार्थ कुमार, स्थानीय संपादक चुण्डा सोरेन सिपाही फोन न. 7367009287, 9771486686